प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

# मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 05, 12 अप्रैल से 18 अप्रैल, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी

## 'लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई है टीएमसी'

### मुर्शिदाबाद में बरसे पीएम मोदी, कहा- घुसपैठियों की सरकार का अंत तय

कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने साफ लफ्जों में कहा कि बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी है और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही है। घुसपैठियों की सरकार का अंत तय है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा चुनाव जीत रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं। पीएम ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है। हथियारों की तस्करी, ड्रग्स और मवेशी तस्करी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा। हम पश्चिम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे। पीएम मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने का वादा किया है। उन्होंने विशेष रूप से मतुआ और नामशूद्र समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आप किसी टीएमसी नेता की दया पर यहां नहीं हैं, आपको भारत का संविधान सुरक्षा देता है। यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा सरकार बनते ही सीएए के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

मुर्शिदाबाद के प्रसिद्ध सिल्क उद्योग पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी की अनदेखी के कारण यहां के किसानों का भविष्य बर्बाद हो गया है। टीएमसी बंगाल के मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाने पर तुली है, जिसे भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जारी किया गया भाजपा का चुनावी घोषणापत्र, पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 'महाजंगलराज' को खत्म करने का एक रोडमैप है।

### पीएम बोले- बंगाल की जनता ळटउ का अहंकार चकनाचूर कर देगी

पीएम मोदी ने कहा- आजादी के बाद से, बंगाल को चुनौती देने की हिम्मत करने वाले हर व्यक्ति का अहंकार चकनाचूर हो गया है। पहले अंग्रेजों का, फिर कांग्रेस का, और अंत में वामपंथियों का अहंकार चकनाचूर हो गया। अब बंगाल की जनता टीएमसी के अहंकार को चकनाचूर कर देगी। मोदी ने कहा- बंगाल की जनता ने मां, माटि और मानुश के नारे से प्रेरित होकर, बहुत आशा और उमंग के साथ टीएमसी को एक मौका दिया लेकिन सत्ता में आते ही टीएमसी वामपंथियों की कॉर्बन कॉपी बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा- वामपंथियों से जुड़े सभी गुंडे और गिरोह तृणमूल में शामिल हो गए हैं। टीएमसी ने अब हर चीज का जिम्मा अपने हाथ में ले लिया है- हथियारों, नशीले पदार्थों और मवेशियों की तस्करी से लेकर उन कटौतियों और कमीशनों तक, जो कभी वामपंथियों की पहचान हुआ करती थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने पर राज्य में कट मनी, कमीशन और भ्रष्टाचार की व्यवस्था खत्म कर दी जाएगी। राज्य में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जाएंगे, जिससे युवाओं को फायदा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी बंगाल के जंगीपुर में आज की दूसरी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा- बंगाल में TMC मां, माटी और मानुश का नारा लगाकर सरकार में आई लेकिन अब राज्य में घुसपैठिओं की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल के लोगों ने ळटउ को घुसपैठियों की सरकार बनने नहीं देना है। ये चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं है। यह चुनाव बंगाल की पहचान बचाने का चुनाव है।

## 'एक भी मियां नहीं, नाम मियांपुर'

### मुख्यमंत्री योगी ने लखीमपुर खीरी के गांव का नाम बदला

लखीमपुर खीरी

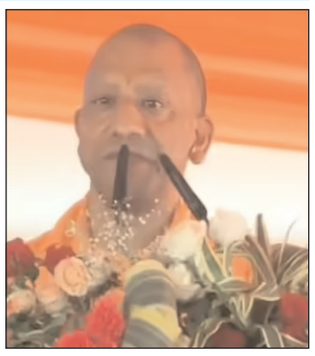

लखीमपुर खीरी के मोहम्मदी तहसील क्षेत्र के मियांपुर गांव का नाम बदलकर अब रविंद्र नगर किया जाएगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मियांपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। मुख्यमंत्री ने यहां पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित होकर बसाए गए बंगाली हिंदू परिवारों को भूमि का मलिकाना हक प्रदान किया। साथ ही अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने खास तौर पर विभाजनकारी राजनीति से सावधान रहने की बात कही। उन्होंने तुष्टिकरण और विभाजन की राजनीति पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी ने जिले में दो जगहों पर आयोजित कार्यक्रम में 817 करोड़ की 314 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसके साथ ही 4356 थारू परिवारों और 2350 विस्थापित परिवारों को भूमि का मालिकाना हक संबंधी अधिकार पत्र प्रदान किए। सीएम योगी ने कहा कि पापी पाकिस्तान ने पहले भारत का विभाजन किया, फिर पाकिस्तान भी टुकड़े हुए। पाकिस्तान अभी और टुकड़ों में बंटने वाला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पाप की सजा वहां रह रहे हिंदू, सिख, बौद्ध, पारसी लोगों को मिली है। क्योंकि वहां किसी और जाति के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का पाप देखा। आपका अधिकार लिया और वोट लेते रहे। लेकिन आपको जमीन का अधिकार नहीं दिया। आपकी पहचान छिपाने के लिए गांव का नाम भी मियांपुर रख दिया। एक भी मियां, नाम मियांपुर। अब ये मियांपुर नाम नहीं रहेगा। अब इस गांव का नाम रविंद्र नगर होगा। गुरुदेव रविंद्र नाथ ठाकुर के नाम पर यह गांव जाना जाएगा। इससे पहले सीएम योगी ने पलियाकलां के चंदनचौकी में 4356 थारू परिवारों को 538 हेक्टेयर जमीन के स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र दिए। 1976 से ये परिवार सिर्फ जमीन का उपयोग कर रहे थे, अब वे इसके मालिक बन गए हैं। इसके अलावा सीएम योगी ने यहां विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सच्चा शासन वही है, जहां प्रजा सुखी रहे। शासन की खुशी का आधार उसकी जनता की खुशी है। यह कार्य तभी होता है जब शासन सत्ता में संवेदना होती है। बिना भेदभाव के काम हो। आज जो काम हो रहा है ये उसी संवेदना का काम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में संवेदनाओं का अभाव था। अपने परिवारवाद से ऊपर उठ पाते तो इन थारू परिवारों के बारे में सोच पाते।

सीएम योगी ने कहा कि हम हर दलित और वंचित को सम्मान दिलवाएंगे। इसीलिए, हमारी सरकार ने तय किया है कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर, सद्गुरु रविदास जी महाराज, महार्षि वाल्मीकि महाराज की मूर्तियां जहां होंगी, अगर बाऊंड्री वॉल नहीं होगी तो हम बाऊंड्री वॉल करवाकर, छत्र भी बनवाएंगे। सरकार ने इसके लिए धनराशि की व्यवस्था की है। सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का सम्मान होना चाहिए।

## बुलेट ट्रेन के काम ने पकड़ी रफ्तार: टनल बोरिंग मशीन को असेंबल करने का काम शुरू

मुंबई

भारत के पहले बुलेट ट्रेन परियोजना को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली इस हाई-स्पीड ट्रेन के लिए टनल बनाने का काम अब अगले चरण में पहुंच गया है। घनसोली के पास सावली में दूसरी टनल बोरिंग मशीन को असेंबल यानी एकत्रित करने का काम शुरू कर दिया गया है। इसे जमीन से लगभग 39 मीटर नीचे एक गहरे शाफ्ट में अंजाम दिया जा रहा है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के इंजीनियरों के लिए यह किसी चुनौती से कम नहीं था, लेकिन उन्होंने बेहद सटीकता के साथ इस विशालकाय मशीन के पुर्जों को नीचे उतारना शुरू कर दिया है।

## 40 दिन बमबारी, सीजफायर और शांति वार्ता: अब होर्मुज से दो अमेरिकी जहाजों के गुजरने का दावा, ईरान ने किया खंडन

वाशिंगटन

पश्चिम एशिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। ईरान के साथ जारी तनाव के बीच पहली बार दो अमेरिकी युद्धपोतों ने होर्मुज पार किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दावा किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की कोशिशें जारी हैं, लेकिन जमीन पर तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट साझा की। ट्रंप ने अपने अंदाज में लिखा कि अमेरिका ने इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को साफ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि हम चीन, जापान और फ्रांस जैसे देशों पर एहसान कर रहे हैं, क्योंकि उनमें खुद यह काम करने की हिम्मत या इच्छाशक्ति नहीं है। ट्रंप ने दावा किया कि इस युद्ध में ईरान बुरी तरह हार रहा है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस रास्ते में ईरानी समुद्री बारूदी सुरंगें अभी भी एक बड़ा खतरा बनी हुई हैं। उन्होंने लिखा कि ईरान के पास अब बस एक ही दांव बचा है कि कोई जहाज उनकी समुद्री सुरंगों से टकरा जाए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन अमेरिकी गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर्स ने जब खाड़ी को पार किया, तो इसकी कोई जानकारी तेहरान को नहीं दी गई थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह ऑपरेशन बिना किसी बाधा के पूरा हुआ। गौर करने वाली बात यह है कि 28 फरवरी 2026 को ईरान पर बमबारी शुरू होने के बाद से यह रास्ता पूरी तरह से बंद जैसा था। समझौते की शर्तों के अनुसार इसे खोलना जरूरी था, लेकिन अमेरिका ने इस बार बिना समन्वय के ही अपने जहाज भेजकर अपनी ताकत का अहसास कराया है। अमेरिकी मीडिया और राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के उलट, ईरान के सरकारी ब्रॉडकास्टर ने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के हवाले से स्पष्ट किया है कि किसी भी अमेरिकी युद्धपोत ने होर्मुज को पार नहीं किया है। ईरान ने इन खबरों को पूरी तरह निराधार बताते हुए दावा किया कि उनकी सेना ने जलडमरूमध्य की कड़ी निगरानी की है और वहां ऐसी कोई हलचल नहीं हुई। ईरान ने दावा किया है कि वे अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं ।

दुनिया के कुल कच्चे तेल का पांचवां हिस्सा इसी होर्मुज से होकर गुजरता है। ईरान ने तनाव शुरू होने के बाद से इस रास्ते की घेराबंदी कर रखी थी, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। इस बीच, पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बातचीत शुरू हो गई है, जिससे इस खूनी संघर्ष को खत्म किया जा सके। ट्रंप ने यह भी संकेत दिए कि दुनिया भर से खाली तेल टैंकर अब तेल खरीदने के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रहे हैं।

## भीषण हादसे में 10 की मौत; बिहार में नेशनल हाइवे पर बस - पिकअप की टक्कर में 25 घायल

कटिहार

कटिहार से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे कोढ़ा इलाके को हिला कर रख दिया। ठल-31 पर बसगड़ा चौक के पास दातपुर मुसहरी चौक के नजदीक बस और पिकअप वैन की जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि इसकी चपेट में आई दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे में अब तक 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। बताया जा रहा है कि हरदा से पूर्णिया जा रही बस का चालक नशे की हालत में था और रास्ते में पहले भी एक-दो जगह टक्कर मार चुका था। जैसे ही बस दातपुर मुसहरी चौक के पास पहुंची, सामने से आ रही पिकअप वैन से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पास से गुजर रही दो बाइक भी इसकी चपेट में आ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीण और पुलिस तुरंत राहत-बचाव कार्य में जुट गए और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। इलाके में मातम पसरा हुआ है और हर तरफ चीख-पुकार सुनाई दे रही है। मामले में कटिहार पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम कोढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गेड़ाबाड़ी के समीप एक बस एवं पिकअप वाहन के बीच भीषण सड़क दुर्घटना घटित हुई, जिसमें अब तक 10 व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हुई है। घटना की सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। दुर्घटना में घायल लगभग 25 व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज हेतु नजदीकी अस्पतालों में भेजा जा रहा है। घटनास्थल पर विधि-व्यवस्था पूर्णतः नियंत्रण में है तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारू किया जा रहा है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

## यूपी: नेपाल बॉर्डर से सटे 7 जिलों में घटे 17 लाख मतदाता

लखनऊ

भारत-नेपाल सीमा से सटे यूपी के 7 जिलों में 17 लाख से ज्यादा मतदाता कम हुए हैं। बलरामपुर, बहराइच और सिद्धार्थनगर में प्रदेश के औसत से ज्यादा नाम सूची से बाहर हुए हैं। अलबत्ता, इस लिहाज से पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में स्थिति बेहतर है। यूपी में भारत-नेपाल सीमा से सटे जिले पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज हैं। इन जिलों के लोगों का नेपाल के साथ रोटी-बेटी का पारंपरिक संबंध है। नेपाल सीमा पर घुसपैठ की समस्या के चलते यहां की मतदाता सूची पर सभी की नजर थी। इसके अलावा नेपाल की उन लड़कियों का मामला भी फंसा रहा, जिन्होंने सीमावर्ती भारतीय जिलों के पुरुषों से विवाह तो कर लिया, पर उनके पास भारत की नागरिकता नहीं है। अंतिम मतदाता सूची में इन 7 जिलों में 17 लाख 36 हजार 132 नाम घटे हैं। इन सातों जिलों में 27 अक्तूबर 2025 को फ्रीज की गई मतदाता सूची के मुकाबले 12.80 प्रतिशत मतदाता कम हुए हैं। 27 अक्तूबर की मतदाता सूची में इन जिलों में कुल 1 करोड़ 35 लाख 63 हजार 531 मतदाता थे। प्रदेश में मतदाताओं की औसत कमी 13.24 प्रतिशत है, लेकिन बलरामपुर में 17.20 प्रतिशत, बहराइच में 16.12 प्रतिशत और सिद्धार्थनगर में 14.32 प्रतिशत मतदाता कम हुए हैं। संख्या के लिहाज से देखें तो इन जिलों में क्रमशः 272272, 426910 और 281020 मतदाता कम हुए हैं। पीलीभीत में यह संख्या 117071 (7.97 प्रतिशत), खीरी में 338132 (11.70 प्रतिशत), श्रावस्ती में 100396 (12.28 प्रतिशत) और महराजगंज में 200331 (10.05 प्रतिशत) मतदाता कम हुए हैं।

## कालाबाजारी पर सरकार का बड़ा एक्शन: 55 गैस एजेंसियां निलंबित, होर्मुज से सुरक्षित निकला एलपीजी जहाज

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच देश में एलपीजी संकट की आशंका को लेकर सरकार ने बड़ा भरोसा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा है कि देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। इसी बीच कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 55 गैस एजेंसियों को निलंबित कर दिया गया है। सरकार ने लोगों से पैनिक बुकिंग न करने की अपील भी की है।

सरकार ने बताया कि ईंधन की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और वितरण व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। देशभर में 3400 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी कर 214 एजेंसियों पर जुमार्ना लगाया गया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि ओवरचार्जिंग और जमाखोरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार ने कालाबाजारी रोकने के लिए देशव्यापी अभियान चलाया। 10 अप्रैल को बड़े स्तर पर छापेमारी की गई। इस दौरान कई एजेंसियों में अनियमितताएं पाई गईं। 214 एजेंसियों पर भारी जुमार्ना लगाया गया और 55 एजेंसियों की डिस्ट्रीब्यूटरशिप तुरंत प्रभाव से रद्द कर दी गई। यह कार्रवाई बाजार में पारदर्शिता लाने के लिए अहम मानी जा रही है।

इस बीच 20,400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आने वाला भारतीय जहाज जग विक्रम होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित निकल चुका है। इसके 15 अप्रैल तक मुंबई पहुंचने की संभावना है। सरकार ने यह भी बताया कि होर्मुज क्षेत्र में मौजूद अन्य 20 भारतीय जहाजों की सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जा रही है।

## शांति समझौते के लिए ईरान ने रखी शर्त; इस्राइल बोला- सीजफायर पर हिजबुल्ला से वार्ता नहीं

ईरान

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में शांति वार्ता को लेकर नई हलचल देखने को मिल रही है। क्षेत्रीय स्थिरता बहाल करने के प्रयासों के तहत विभिन्न पक्षों के बीच बातचीत की संभावना जताई जा रही है, जबकि जमीनी हालात अभी भी बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। हालांकि लेबनान को लेकर स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। ईरान ने दावा किया है कि कोई भी अमेरिकी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से नहीं गुजरा है। ईरान के सरकारी प्रसारक ने एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के हवाले से यह बात कही है। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी मीडिया में रिपोर्ट आई थी कि कई अमेरिकी नौसैनिक जहाज इस रास्ते से गुजर चुके हैं। मामला तब और गरमाया जब मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका इस मार्ग को साफ करने पर काम कर रहा है। दोनों दावों के बीच विरोधाभास ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में ईरानी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिसका नेतृत्व संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची कर रहे थे। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान में कहा गया कि शरीफ ने ईरान की भागीदारी की सराहना की और क्षेत्रीय व वैश्विक शांति के लिए मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान की भूमिका जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। शरीफ ने आज ईरान और अमेरिकी दोनों प्रतिनिधिमंडलों से अलग-अलग बैठक की। इस दौरान उप प्रधानमंत्री इशाक डार, सेना प्रमुख आसिम मुनीर और गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी मौजूद रहे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इस्लामाबाद में चल रही अमेरिका-ईरान वार्ता में एक नया दावा सामने आया है। एक ईरानी सूत्र के मुताबिक, अमेरिका दबाव और बातचीत के बाद ईरान की जब्त संपत्तियां जारी करने पर सहमत हुआ है। हालांकि इस पर अब भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और दोनों पक्षों के बीच भरोसे की कमी बनी हुई है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में जारी अमेरिका-ईरान वार्ता से पहले ईरान ने मध्यस्थों के सामने चार सख्त और गैर-परक्राम्य शर्तें रख दी हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण... ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता की मांग की है। युद्ध का पूरा मुआवजा... हमले के लिए जिम्मेदार पक्ष से नुकसान की भरपाई की मांग। जब्त संपत्तियों की बिना शर्त रिहाई... विदेशी बैंकों में फंसी अरबों डॉलर की रकम लौटाने की मांग।

## बंगाल की जनसभा में अमित शाह की हुंकार: गृह मंत्री ने सीएम ममता को घेरा, कहा- भाजपा मिटाएगी टीएमसी का सिंडिकेट राज

बंगाल

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच भाजपा ने एक बार फिर ममता सरकार पर बड़ा हमला बोला है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बांकुड़ा के ओंडा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो टीएमसी का सिंडिकेट राज खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि अब बंगाल में बदलाव का समय आ गया है और जनता जल्द फैसला करेगी। अमित शाह ने अपने भाषण में टीएमसी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में हर काम के लिए लोगों को कटमनी देनी पड़ती है और सिंडिकेट के बिना कोई काम नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार आने पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और अपराधियों को सजा दी जाएगी। शाह ने कहा कि बंगाल में सीमेंट, बालू या अन्य सामान खरीदने तक के लिए सिंडिकेट का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिस्टम लोगों को परेशान कर रहा है। शाह ने जनता से अपील की कि भाजपा को वोट देकर इस व्यवस्था को खत्म करें और पारदर्शी शासन लाएं। उन्होंने ममता सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और कई मामलों ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं को 24 घंटे सुरक्षा दी जाएगी और दोषियों को सख्त सजा मिलेगी। शाह ने आलू किसानों की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी उपज को पूरे देश में भेजा जाएगा ताकि उन्हें बेहतर कीमत मिल सके। साथ ही उन्होंने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश कोई धर्मशाला नहीं है और भाजपा सरकार बनने पर घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में 300 से ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है और भाजपा सरकार बनने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

## सम्पादकीय

# पश्चिम एशिया युद्ध से खाद्य कीमतों और सुरक्षा पर बड़ा खतरा

युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध के नतीजे दिखने लगे हैं। ऊर्जा संकट गहराने के साथ पूरी दुनिया अब इसके व्यापक परिणामों से निपटने की तैयारी कर रही है। होर्मुज जलमार्ग से ईंधन आपूर्ति की जो श्रृंखला टूटी है, वह कब नियमित होगी, कुछ कहा नहीं जा सकता। मगर इससे कई देशों के सामने चौतरफा संकट जरूर पैदा हो गया है। वैश्विक स्तर पर ईंधन और परिवहन की लागत बढ़ने लगी है। मुश्किल भरे इस दौर में विश्व बैंक, मुद्रा कोष और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूएफपी) ने सचेत किया है कि पश्चिम एशिया के वैश्विक ऊर्जा बाजारों में युद्ध ने जो व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर पड़ेगा। इन तीनों संस्थाओं के इस बयान को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक बोझ दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा। हालांकि इन संगठनों का कहना है कि वे संभावित स्थितियों पर निगाह रखेंगे और संकट से प्रभावित लोगों की मदद के लिए उपलब्ध संसाधनों का समन्वय करेंगे। मगर सवाल है कि इस विकट दौर में करोड़ों लोगों तक कैसे और किस हद तक मदद पहुंचेगी? युद्ध के असर के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने जिस तरह आगाह किया है, इससे समझा जा सकता है कि पूरी दुनिया पर खाद्य संकट मंडरा रहा है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलमार्ग बंद होने से उर्वरकों की आपूर्ति में जो बाधा आई है, इसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से भारत सहित दुनिया के कई देशों पर पड़ेगा। नतीजा यह होगा कि कम और महंगा यूरिया मिलने से खेती की लागत बढ़ेगी। दूसरी ओर, आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे, तो माल की ढुलाई भी महंगी होगी। ऐसे में महंगाई को संभालना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। चिंता की बात यह है कि युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का जो नुकसान हुआ है, अभी उसी का पूरी तरह आकलन नहीं हो पाया है। इस स्थिति में खाद्य कीमतों में संभावित वृद्धि की चेतावनी डराने वाली है। अमेरिका और ईरान में दो सप्ताह के युद्ध विराम के बीच आयात निर्भर देशों के लिए यह सोचने का समय है कि ईंधन और खाद्य की कीमतों को वे कैसे नियंत्रित करेंगे। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक राजनीति एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां शक्ति ही सत्य है की अवधारणा पुनर्जीवित हो गई है। दुनिया का सबसे धनी देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का सबसे बड़ा वित्तपोषक होने के नाते अमेरिका ने स्वयं को एक ऐसे वैश्विक दारोगा के रूप में स्थापित कर लिया है, जिसे रोकने का साहस वर्तमान में किसी भी अंतरराष्ट्रीय इकाई के पास नहीं दिखता।


सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

# किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग



भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है।

दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।



यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है। दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं। ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं।

हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है।

# युद्ध के माहौल में ऊर्जा की मांग को पूरा करना बड़ी चुनौती!

दीपक कुमार त्यागी

इसी के चलते ही युद्ध के समय में कोयला व अन्य ऊर्जा स्रोतों की मांग बढ़ जाती है, लेकिन परिवहन व्यवस्था में रुकावट होने के चलते कोयला, गैस व तेल आदि को उपभोक्ता के पास तक समय पर पहुंचाना बेहद ही चुनौतीपूर्ण व जोखिम भरा कार्य होता है, हर पल यह दुश्मन के निशाने पर बने रहते हैं। देश व दुनिया के नीति-निमार्ता यह अच्छे से जानते हैं कि किसी भी देश की ऊर्जा प्रणाली उस देश के विकास की नींव होती है, लेकिन पिछले एक माह से भी अधिक समय से चल रहे ईरान अमेरिका व इजरायल के भीषण युद्ध ने इस नींव को जबरदस्त ढंग से हिलाने का कार्य कर दिया है। अमेरिका-इजरायल व ईरान के इस युद्ध ने पूरी दुनिया को एक बहुत बड़ा कटु सबक दे दिया है, इस युद्ध ने बता दिया है कि ऊर्जा के क्षेत्र में किसी भी दूसरे देश पर बहुत ज्यादा ही निर्भर रहना आज के जबरदस्त प्रतियोगिता व व्यावसायिक दौर में खतरे से खाली नहीं है। इस युद्ध ने दिखा दिया है कि ऊर्जा के लिए किसी भी अन्य देश पर बहुत अधिक निर्भर रहना राष्ट्र के विकास से बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न कर सकता है। आज के युग में विकास के पहिए को अनवरत चलाने के लिए ऊर्जा के क्षेत्र में विविधता अवश्य होनी चाहिए, देश को किसी भी एक तरह की ऊर्जा प्रणाली पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं होना चाहिए, ऊर्जा के क्षेत्र में हर समय विकल्प अवश्य उपलब्ध होने चाहिए। वैसे भी देखा जाएं तो ऊर्जा क्षेत्र में विविधता जोखिम को अवश्य कम करने का कार्य करती है।

इसलिए यह आवश्यक है कि युद्ध व किसी भी अन्य आपदा जैसी विषम परिस्थितियों में जीवन को सुचारू रूप है चलाने के लिए अपने प्यारे देश भारत में ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विविधता लाने की आवश्यकता है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों की बात करें तो हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 'ऊर्जा सांख्यिकी भारत 2026' से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े जारी किये हैं, जिसमें भारत के ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े हुए ऊर्जा संसाधनों के भंडार, उत्पादन, खपत और व्यापार के आंकड़े शामिल हैं। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति (टीपीईएस) वित्त वर्ष 2024-25 में 2.95% बढ़कर 9,32,816 किलो टन तेल समतुल्य (केटीओई) तक पहुंच गई। रिपोर्ट देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में हो रही तीव्र वृद्धि को दशार्ती है, जोकि 31 मार्च, 2025 तक 47,04,043



मेगावाट तक पहुंच गई, जिसमें सौर ऊर्जा का कुल क्षमता का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा है, फिर पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इस रिपोर्ट में नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता में भी जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, जो 2016 में 90,134 मेगावाट से बढ़कर 2025 में 2,29,346 मेगावाट हो गई है, नवीकरणीय स्रोतों से बिजली उत्पादन वित्त वर्ष 2015-16 में 1,89,314 गीगावाट घंटे से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 4,16,823 गीगावाट घंटे तक हो गया है।

हालांकि इस रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार देश में कोयला आज भी ऊर्जा प्रदान का सबसे अहम स्रोत बना हुआ है, जिसके चलते ही कोयला की आपूर्ति वित्त वर्ष 2015-16 में 3,87,761 किलोटाइम ई.ई. से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 5,52,315 किलोटाइम ई.ई. हो गई है। इस रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक देश में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस जैसे ऊर्जा के अन्य स्रोतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। देश में प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है, जोकि वित्त वर्ष 2015-16 में 15,296 मेगाजूल प्रति व्यक्ति से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 18,096 मेगाजूल हो गई है। वहीं सभी क्षेत्रों में ऊर्जा की कुल अंतिम खपत (टीएफसी) में 30% से अधिक की वृद्धि हो गयी है, जोकि वित्त वर्ष 2024-25 में 6,08,578 केटीओई तक पहुंच गई, जोकि देश में औद्योगिक मांग और उपभोक्ता मांग में विस्तार का संकेत देती है। वैसे भी विकास की तेज गति के चलते भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपत करने वाला देश पहले से ही बन गया है और ऊर्जा जरूरतों में हर वर्ष 6.5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हो रही है। ऐसी स्थिति में युद्ध के इस माहौल में जब ईरान के द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके दुनिया की गैस व कच्चे तेल की सप्लाई को बड़े पैमाने पर बाधित किया गया है, उस दौर में ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू रूप से निरंतर बनायें रखने के भारत की नरेन्द्र मोदी की सरकार के कूटनीतिक प्रयास काबिले-तारीफ हैं। अमेरिका-इजरायल व ईरान के इस युद्ध ने हमारे प्यारे देश के नीति-निमार्ताओं को यह सबक दे दिया है कि ऊर्जा क्षेत्र में अब विविधता बेहद ही आवश्यक है, क्योंकि देश को फिर कभी युद्ध के दौर में होर्मुज जलडमरूमध्य संकट जैसे हालातों से गुजरना ना पड़े। देश को तेल व गैस के रिजर्व के साथ-साथ रणनीतिक भंडार बढ़ानें और विभिन्न प्रकार के स्रोतों से प्राप्त होने वाली बिजली के उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है। जिससे कि देश में फिर कभी भी युद्ध या किसी भी अन्य तरह की आपदा जैसे हालात में ऊर्जा संकट के बादल ना मंडराएं। वैसे भी हमें यह समझना होगा कि युद्ध या युद्ध जैसी उत्पन्न स्थितियां अब पूरी दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को तुरंत प्रभावित करने का कार्य करती हैं, युद्ध के प्रभाव से मंहगाई का विस्फोट होना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जिस तरह से पिछले एक माह से अधिक समय से ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य समुद्री मार्ग को बंद करके बैठा हुआ है, उससे पूरी दुनिया में लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बाधित हुई है, जिससे दुनिया भर में पेट्रोल-डीजल व गैस आदि का गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिस वजह कुछ देशों में लॉकडाउन तक लगने लग गया है।

वैसे भी अगर हम युद्ध के समय के हालातों पर ध्यान दें तो हमें यह बिल्कुल स्पष्ट नजर आता है युद्ध के समय में ऊर्जा स्रोतों को निशाना बनाना दुश्मन देश का सबसे अहम लक्ष्य होता ही है, जिसके चलते ही तेल, गैस व बिजली आदि के बाधित होने का जबरदस्त खतरा बना रहता है, जिससे विभिन्न प्रकार की ऊर्जा के दामों में बढ़ोत्तरी होनी शुरू हो जाती है। दुनिया को वर्ष 1970 के दशक में भी युद्ध के चलते इस तरह के गंभीर ऊर्जा संकट से रूबरू होना पड़ा था। इसलिए हमारे नीति-निमार्ताओं ने जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की तेजी से शुरूआत करते हुए विभिन्न घरेलू ऊर्जा स्रोतों का विकास तेजी से करना शुरू किया था। उन्होंने भारत में एथेनॉल, कोयला, जल, परमाणु, सौर व पवन ऊर्जा आदि की विविधता वाली एक बृहद ऊर्जा व्यवस्था को विकसित किया था। क्योंकि वह अच्छे से जानते हैं कि राष्ट्र के तेज गति से विकास के लिए एक ऐसी सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है जोकि युद्ध या किसी भी अन्य प्रकार की आपदा जैसी बेहद विषम परिस्थितियों में भी ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने का कार्य निर्बाध रूप से करती रहे।

## लघुकथा

# उसकी जरूरत

डॉ चंद्रेश कुमार छतलानी

उसके मन में चल रहा अंतर्द्वंद चेहरे पर सहज ही परिलक्षित हो रहा था। वह अपनी पत्नी के बारे में सोच रहा था, चार साल हो गए इसकी बीमारी को, अब तो दर्द का अहसास मुझे भी होने लगा है, इसकी हर चीख मेरे गले से निकली लगती है। ...और उसने मुट्ठी भींच कर दीवार पर दे मारी, लेकिन अगले ही क्षण हाथ खींच लिया। कुछ मिनटों पहले ही पत्नी की आँख लगी थी, वह उसे जगाना नहीं चाहता था। वह वहीं जमीन पर बैठ गया और फिर सोचने लगा, सारे इलाज कर लिये, बीमारी बढती जा रही है, क्यों न इसे इस दर्द से हमेशा के लिए छुटकारा...? नहीं... लेकिन... आखिरकार उसने दिल कड़ा कर वह निर्णय ले ही लिया, जिस बारे में वह कुछ दिनों से सोच रहा था। घर में कोई और नहीं था, वह चुपचाप रसोई में गया, पानी का गिलास भरा और अपनी जेब से कुछ दिनों पहले खरीदी हुई जहर की पुड़िया निकाली। पुड़िया को देखते ही उसकी आँखों में आँसू तैरने लगे, लेकिन दिल मजबूत कर उसने पानी में जहर डाल दिया और एक चम्मच लेकर कांपते हाथों से उसे घोलने लगा।

रसोई की खिड़की से बाहर कुछ बच्चे खेलते दिखाई दे रहे थे, उनमें उसका पोता भी था, वह उन्हें देखते हुए फिर पत्नी के बारे में सोचने लगा, इसकी सूरत अब कभी... इसके बिना मैं कैसे रहूँगा? तभी खेलते-खेलते एक बच्चा गिर गया और उस बच्चे के मुंह से चीख निकली। चीख सुनते ही वह गिलास फैंक कर बाहर भागा, और पोते से पूछा, "क्या हुआ बेटा?" पोते ने उसे आश्चर्य से देखा, क्योंकि पोता तो गिरा ही नहीं था, अलबत्ता गिलास जरूर वाशबेसिन में गिर कर जहरीले पानी को नाली में बहा चुका था। ...और वह भी चैन की सांस लेकर अंदर लौट आया।

## कहानी

# एक गज दूध

एक दिन शेखचिल्ली ने अपनी अम्मी से कहा, अम्मी! तुम या अब्बू मुझसे कोई काम नहीं करवाते। सभी बच्चों के अम्मी-अब्बू उनसे कोई-न-कोई काम करवाते हैं। क्या मैं इतना नकारा हूँ कि आप मुझे किसी काम के काबिल नहीं समझते? शेखचिल्ली की बात सुन शेखचिल्ली की माँ चौंक पड़ीं। अरे! यह बच्चा, अभी से क्या काम करेगा? उन्होंने शेखचिल्ली को प्यार से सहलाते हुए कहा, ठीक है, मेरे राजा बेटे! अब मैं तुमसे भी कोई-न-कोई काम कराती रहूंगी। माँ का दुलार पाकर शेखचिल्ली खुश हो गया और मदरसे से मिला सबक पूरा करने में लग गया। दूसरे दिन सुबह जब वह मदरसा जाने के लिए निकला तो देखा, अम्मी दरवाजे.पर फेरीवाले से कपड़े खरीद रही थीं। उसे पास से गुजरता देखकर अम्मी ने उसे आवाज दी, जरा इधर तो आना शेखू! शेखचिल्ली का भी मन था कि वह फेरीवाले के पास जाकर नए-नए कपड़े देखे। अम्मी की पुकार सुनकर वह खुश हो गया और दौड़कर अम्मी के पास पहुंच गया। अम्मी ने उससे कहा, बेटे, देख तो इनमें से कौन-सा कपड़ा तुम्हें अच्छा लग रहा है? शेखचिल्ली ने एक बार रशीदा बेगम की तरफ खुश होकर देखा और फिर उसकी निगाहें फेरीवाले के कपड़ों पर दौड़ने लगीं और अंततः उसने लाल-लाल छापोंवाले कपड़े के थान पर अपनी अंगुली रख दी, अम्मी, यह! शेखचिल्ली की माँ को भी लाल बूटों वाला वह कपड़ा पसंद आ गया और उसने फेरीवाले से कहा, भैया, इसमें से एक गज निकाल दो। फेरीवाले ने अपने पास से एक फीता निकाला और कपड़े के किनारे पर उसे फैलाकर माप लिया और कैंची से कपड़ा काटकर उन्हें थमा दिया। शेखचिल्ली के लिए माप का यह शब्द गज नया था और बांहें फैलाकर कपड़ा मापने का तरीका भी उसके लिए नया और दिलचस्प था। गज और हाथ फैलाकर माप लेना--ये दो बातें शेखचिल्ली के दिमाग में बैठ गईं। शाम को शेखचिल्ली मदरसे से वापस आया। बस्ता रखकर हाथ-मुंह धोया। तभी उसकी माँ ने उसे दुअन्नी थमाते हुए कहा, बेटा, दौड़कर जाओ और पास वाले हलवाई से दो आने का दूध लेकर आओ! शेखचिल्ली ने मुट्ठी में दुअन्नी दबाई और दूध लेने के लिए एक बर्तन चौके से लेकर दौड़कर हलवाई की दुकान पर पहुंच गया। गांव के कई लोग उस हलवाई के पास खड़े थे। हलवाई अपने दोनों हाथ में एक-एक मग पकड़े था और एक हाथ ऊपर करते हुए उससे गरम दूध की धार गिराता और दूसरे हाथ को नीचे कर उस दूध की धार को मग में भर लेता। फिर भरे मगवाला हाथ ऊपर करता और खाली मगवाला हाथ नीचे। यह क्रिया वह बार-बार यंत्रवत दोहराता जा रहा था। शेखचिल्ली के लिए यह दृश्य भी नया था। दूध ठंडा करने का यह तरीका उसके लिए नया था। वह समझने की कोशिश कर रहा था कि आखिर यह हलवाई क्या कर रहा है! फिर उसे सुबह की घटना याद हो आई। कपड़ावाला भी तो इसी तरह कपड़े की लम्बाई माप रहा था। उसने सोचा--यह दूधवाला जरूर दूध की लम्बाई माप रहा है। ऐसा सोचकर वह गर्वित हुआ कि सही वक़्त पर उसके दिमाग ने साथ दिया और वह यह समझने के काबिल हुआ कि दूधवाला क्या कर रहा है। शेखचिल्ली को अपने पास देर से टकटकी लगाए खड़ा देखकर हलवाई ने पहले सोचा कि यह किसी ग्राहक के साथ आया होगा, लेकिन जब पहले से खड़े ग्राहक दूध लेकर लौट गए, तब भी शेखचिल्ली को वहीं खड़ा देख हलवाई ने पूछा, ऐ लड़के! तुम्हें क्या चाहिए? शेखचिल्ली की तंद्रा टूटी और उसने कहा, दूध! कितना दूध चाहिए? हलवाई ने शेखचिल्ली से पूछा। अम्मी ने तो बताया नहीं था कि कितना दूध लेना है? फिर भी अक़्ल पर जोर डालते हुए उसने कहा, एक गज दूध दे दो! हलवाई और उसकी दुकान पर खड़े लोगों ने जब शेखचिल्ली की बात सुनी तो ठहाका मारकर हँस पड़े। शेखचिल्ली समझ नहीं पा रहा था कि लोग हँस क्यों रहे हैं। हलवाई समझ गया था कि शेखचिल्ली दूध की माप नहीं जानता, इसलिए उसने शेखचिल्ली से पूछा, क्यों बेटे, पैसे लाए हो? हाँ! शेखचिल्ली ने कहा और दुअन्नी हलवाई को थमा दी। हलवाई ने उसके कटोरे में दो आने का दूध डाल दिया। जब शेखचिल्ली दूध लेकर घर की ओर चलने लगा, तभी एक ग्राहक ने दुकानदार से जोर से कहा, देना भैया, मुझे भी एक गज दूध! और फिर वे ठहाके लगाकर हँसने लगे।

# कोयल से हुई बात

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है।

इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है। सुबह सैर करते हुए विचार आया कि कोयल से बातचीत की जाए। सुंदर, प्रभावशाली, बड़बोले, ईमानदारों से ही पीछा नहीं छूटता। कौन काली कलूटी से संवाद करेगा। खूबसूरत लोगों ने खूबसीरत लोगों को



हमेशा नीचा दिखाने की कोशिश की। युगों से आमों की मिठास बरकरार रखने वाली, अपना रंगढंग न बदलने वाली कोयल से संवाद साधने की सोची। एक मित्र जो दर्जनों पक्षियों की बोलियां समझने में सिद्धहस्त हैं ने मध्यस्थता करते हुए कोयल से संपर्क किया। सभी कोयल ने एक जैसी ही बात करनी थी इसलिए किसी एक का चुनाव करना जरूरी नहीं था, हां किसी इंसान की बात होती तो सोचना पड़ता। इंसान का इंसान से ईमानदार संवाद मुश्किल में है। पक्षी और जानवर से संवाद हमेशा सहज रहा। कोयल से पूछा, आप हर साल आम को मीठा करने आती हैं, इतनी तन्मयता, ईमानदारी व समयबद्धता कैसे रखती हैं। कोयल ने कहा, हम कुदरत की बेटियां हैं, हमारा कर्तव्य आम के वृक्षों के साथ समन्वय बना कर रखना है। कुछ भी बदलाव लाना असंतुलन की तरफ ले जाएगा। मिठास आप घोलती हैं, हमने पूछा? बोली, मिठास तो मां प्रकृति घोलती है हमारा काम तो आवाज निकालना है और वह भी ठीक वैसी ही जैसा बचपन से सिखाया गया है। हमें आम के वृक्षों पर बैठकर समय और नियमबद्ध तरीके से यह पारिवारिक पारम्परिक कर्तव्य निभाना होता है।

हमने कोयल से कहा, आपको पता है आम को फलों का राजा माना जाता है। कोयल ने कहा, हम तो साधारण कार्यकर्ता हैं, हमारे यहां सब एक जैसे होते हैं, ऊंच नीच नहीं होता सभी को एक जैसे घोंसले बनाकर रहना होता है। एक जैसा खाना पीना होता है तभी अनुशासन रहता है। इतनी समानता, समरसता, एकरूपता, एकात्मता हमारे जीवन में है कि पता नहीं कि राजा क्या होता है। अगला सवाल था, कोई बागवाला आपको पाल पोसकर, अच्छा खिला पिलाकर, आपको अपने आम के बागीचे में ज्यादा कूकने को कहे, तो कोयल ने कहा, हमें ऐसा व्यवहार करना नहीं सिखाया गया। प्रकृति के नियम पारदर्शी और न बदलने वाले हैं। हमने कहा दुनिया कितनी बदल गई लेकिन आपकी तान वैसी ही है। हमें यही सिखाया गया है कि कभी अपना अच्छा चरित्र न बदलो, प्रतिस्पर्द्धा या लालच यहां तक कि मजबूरी में भी अडिग रहो। इसी गुण से आपके व्यक्तित्व की पहचान बनती है, कोयल बोली। झिझकते हुए मैंने जानना चाहा, आपको नहीं लगता आपका रंग काला न होकर, भूरा, लाल या कोई और... । जवाब आया, हमारे पूर्वजों ने हमें यही शिक्षा दी कि रंग से कुछ नहीं होता, सब आपके ढंग से होता है। हमारा रंग यदि उजला, पीला होता तो आप हमें पसंद करते मगर हमारी आवाज सुरीली न होती तो कितना देर तक सुन पाते। तब क्या अपने बच्चों को हमारी तरह बोलने को कहते। हमारे सवाल खत्म हो गए थे।

कोयल के कूकने का समय हो गया था। वह आम के अन्य वृक्षों की ओर उड़ चली। पक्षी इंसानों की तरह हो जाएं, बोली बदल लें, नए रंग का चोगा पहन लें, मुंह फेरना सीख लें तो प्रकृति का अंदरूनी संतुलन बिगड़ जाएगा। दुनिया के किसी कोने में शायद कोई तो ऐसा करवाने की कोशिश कर रहा होगा मगर कुदरत ऐसा होने तो नहीं देगी । काली कोयल ने अनेक सच उजले कर दिए।

# ममता के बयान चुनावी माहौल का हिस्सा, अमित शाह ने जो वादा किया उसे पूरा करेंगे: जयवीर सिंह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी में मंत्री जयवीर सिंह ने कारसेवक गोलीकांड को शीर्ष स्तर का निर्णय बताया, वहीं, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने महिला आरक्षण बिल और पंचायत चुनावों पर भी सरकार का रुख स्पष्ट किया।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष के उस बयान पर, जिसमें कारसेवकों पर गोली चलाने को राजनीतिक निर्णय बताया गया था, मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि उस समय अधिकारियों ने आदेशों का पालन किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रमुख सचिव और संबंधित अधिकारी मुख्यमंत्री के निदेर्शों का ही अनुपालन करते हैं, जिससे यह निर्णय शीर्ष स्तर पर लिया गया था। असीम अरुण के बयान "अखिलेश यादव को जिताना है तो पाकिस्तान बनाना है" पर प्रतिक्रिया देते हुए

जयवीर सिंह ने कन्नौज की एक पुरानी घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में यादव और मुस्लिम समुदाय के बीच संघर्ष, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं हुई थीं, लेकिन पुलिस कार्रवाई एकतरफा रही, जिस पर सवाल खड़े होते हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान "सांप पर भरोसा कर सकते हैं, बीजेपी पर नहीं" को लेकर जयवीर सिंह ने कहा कि चुनाव के समय इस तरह के तीखे और भड़काऊ बयान आते रहते हैं। उन्होंने इसे चुनावी माहौल का हिस्सा बताया। महिला आरक्षण बिल पर मंत्री जयवीर सिंह ने सरकार की मंशा स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए लोकसभा और विधानसभा सीटों में एक तिहाई आरक्षण देने की दिशा में काम हो रहा है। इसके लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया गया है और जल्द ही इसे लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर उन्होंने निर्वाचन आयोग को बधाई दी और कहा कि अवैध मतदाताओं को हटाकर एक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण सूची तैयार की गई है।

## कहा- अमित शाह ने जो वादा किया उसे पूरा करेंगे

बंगाल के घोषणा पत्र में अमित शाह द्वारा महिलाओं को 3000 रुपये प्रति माह और 6 महीने में यूसीसी लागू करने के वादे पर जयवीर सिंह ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह जो भी वादा करते हैं, भाजपा उसे 100 प्रतिशत पूरा करती है। पंचायत चुनाव को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछड़ा वर्ग आयोग की प्रक्रिया और गणना अभी बाकी है, जिसके बाद ही चुनाव की दिशा तय होगी। वृंदावन में श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया वृंदावन में श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने संवेदना व्यक्त की है और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दी जा रही है। साथ ही निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। चीफ इलेक्शन कमीशन और आईएएस अधिकारी के बीच नोंकझोंक के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक विषय है। वहीं बंगाल में महिलाओं को आर्थिक सहायता और UCC के वादे पर उन्होंने कहा कि बीजेपी जो कहती है, उसे पूरा भी करती है।

# मैनपुरी के सिपाही का बार डांसर पर नोट उड़ाते वीडियो वायरल

### अश्लील इशारे करते दिखा कांस्टेबल, पुलिस की छवि पर सवाल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी में एक पुलिस कांस्टेबल का बार डांसर पर नोट लुटाते और अश्लील इशारे करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस घटना ने पुलिस विभाग की कार्यशैली और अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में दिख रहा व्यक्ति बरनाहल थाने में तैनात कांस्टेबल मानवेंद्र सिंह बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, यह वीडियो किसी स्थानीय कार्यक्रम का है, जहाँ मंच पर डांस कार्यक्रम चल रहा था। कांस्टेबल मानवेंद्र सिंह मंच पर चढ़ गया और गाने की धुन पर एक युवती को नोट देने लगा। वीडियो में वह आपत्तिजनक इशारे करते हुए भी साफ नजर आ रहा है। कार्यक्रम में मौजूद किसी व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। यह

वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है, जिससे पुलिस की छवि को लेकर चर्चा तेज हो गई है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। लोग पुलिस की मयार्दा और जिम्मेदारी पर सवाल उठा रहे हैं। कई उपयोगकताओं ने इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कांस्टेबल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस मामले पर अभी तक पुलिस अधिकारियों की कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी कांस्टेबल मानवेंद्र सिंह का बरनाहल बाजार में एक व्यापारी के साथ अभद्रता और गाली-गलौज करने का एक और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

## मैनपुरी महिला सभा की मासिक बैठक संपन्नः2027 चुनाव की रणनीति पर चर्चा, पार्टी नीतियों से कराया अवगत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** समाजवादी महिला सभा की जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक शनिवार को मैनपुरी स्थित जिला कार्यालय में दोपहर 2 बजे आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ज्योति मैसी ने की, जिसमें आलोक कुमार शाक्य ने भी भाग लिया। अपने संबोधन में आलोक कुमार शाक्य ने उपस्थित सदस्यों से 2027 के चुनावों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाना और नए मतदाताओं को पंजीकृत करना महत्वपूर्ण है। शाक्य ने यह भी निर्देश दिया कि सभी महिला कार्यकर्ता 19 अप्रैल को अपने-अपने सेक्टर में डॉ. अंबेडकर जी की जयंती मनाएं। सभा का संचालन सुमन यादव ने किया। इस अवसर पर सुमन दिवाकर, सुमन यादव, राजरानी रावत, आशा चौहान, अमृता गुप्ता, हेमा यादव, बेजश्री शाक्य, प्रियंका यादव, रजनी दिवाकर, बाला यादव, मीना जाटव, मल्लिका यादव, मीरा श्रीवास्तव, वंदना यादव, रवि शाक्य, मंजू यादव, किन लेरिया, नाजिश बेगम, राजकुमारी जाटव, मीना सक्सेना, मंजू बाथम, प्रमिला देवी, हसीना बेगम और मन्नो बेगम सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

## मंत्री ने वनखंडेश्वर आश्रम का शिलान्यास कियाःघिरोर में 2.10 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** घिरोर के जसराना रोड पर स्थित प्राचीन वनखंडेश्वर आश्रम में कैबिनेट मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने 2 करोड़ 10 लाख 91 हजार रुपये की लागत से विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने आश्रम के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। यह राशि मंदिर के जीर्णोद्धार और अन्य विकास कार्यों पर खर्च की जाएगी। आश्रम में मंदिर की देखरेख महंत सरस्वती सुख स्वरूप महाराज करते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि जनपद के सभी प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने जोर दिया कि कार्यों में समयबद्धता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया है। उनका प्रयास है कि पर्यटन विभाग की परियोजनाएं धरातल पर उतरने के बाद लंबे समय तक बनी रहें। उन्होंने यह भी बताया कि योगी सरकार लगातार प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कर रही है।

वनखंडेश्वर आश्रम का यह विकास कार्य नवंबर तक पूरा होने की संभावना है। कार्यक्रम का शिलान्यास पंडित जयदेव दीक्षित द्वारा विधि-विधान से कराया गया, जबकि सतीश मधुप ने इसका संचालन किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख सत्यपाल सिंह यादव, नगर पंचायत अध्यक्ष यतींद्र जैन, अभिषेक जैन, उर्मिला चौहान, प्रबल जैन, भुवनेंद्र जैन, चंद्रपाल तोमर, पिंकू तोमर, दिनेश जाटव,विप्लव जैन, अरुण प्रताप चौहान, अनिल मिश्रा, संजीव बघेल, राजू वर्मा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# कोर्ट में विवादित जमीन पर कब्जे की कोशिशःमैनपुरी में अकेली महिला पर दबाव, मारपीट कर घर तोड़ा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** कुरावली थाना क्षेत्र के मिड़ावली कलां गांव में जमीन विवाद को लेकर एक महिला की झोपड़ी तोड़ने का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ लोग एक महिला की झोपड़ी को जबरन उखाड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि महिला बार-बार विरोध कर रही है, लेकिन आरोपी लाठी-डंडों के साथ उसे डराने-धमकाने और मारपीट करने का प्रयास कर रहे हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके जेठ अजय भदोरिया और उनके बेटे इस घटना को अंजाम दे रहे हैं। पीड़िता पूनम पत्नी प्रमोद ने बताया कि उनके पति दिल्ली में पेट्रोल पंप पर नौकरी करते हैं और वह गांव में अपने दो बच्चों के साथ

अकेली रहती हैं। इसी का फायदा उठाकर आरोपी उनकी जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं।

महिला के अनुसार, जिस जमीन को लेकर विवाद है, वह मामला पहले से न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद आरोपी जबरन झोपड़ी तोड़कर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। पूनम ने बताया कि 5 अप्रैल को भी आरोपियों ने उनके घर में घुसकर गाली-गलौज की और विरोध करने पर मारपीट भी की थी। उस दिन किसी तरह जान बचाकर बाहर निकली महिला के सामने ही दबंगों ने उसकी झोपड़ी को तोड़ना शुरू कर दिया। इसी दौरान किसी ने घटना का वीडियो बना लिया, जो अब वायरल हो गया है। पूनम ने आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व में कुरावली थाने पर तैनात प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह चौहान को भी इस मामले को लेकर शिकायत की थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब उन्होंने पुलिस अधीक्षक (एसपी) को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

इससे पहले भी महिला ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह से शिकायत की थी। मंत्री ने तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को जांच कर कार्रवाई के लिए निर्देशित भी किया था, लेकिन उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला का कहना है कि आरोपी आए दिन उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करते हैं।

# भारतीय टीम ने नेपाल को 5-0 से हराया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** भारतीय शूटिंग बॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय टेस्ट सीरीज में नेपाल को 5-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया है। यह ऐतिहासिक जीत काठमांडू में 7 से 9 अप्रैल तक चली द्विपक्षीय श्रृंखला में दर्ज की गई। इस जीत में मैनपुरी के खिलाड़ी अमर यादव और सौरभ कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीरीज के दौरान भारतीय टीम ने हर मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा। टीम ने शानदार तालमेल, अनुशासन और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिसके आगे नेपाली टीम बेबस नजर आई। भारतीय खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। श्रृंखला के समापन समारोह में एशियाई शूटिंग बॉल महासंघ के महासचिव रविंद्र सिंह तोमर ने विजेता भारतीय टीम

को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया।

मैनपुरी पहुंचने पर भारतीय खिलाड़ी अमर यादव और सौरभ कुमार का जोरदार स्वागत किया गया। जिस श्रीजी करुणा सागर विद्यालय से इन खिलाड़ियों ने शिक्षा प्राप्त की थी, उसी विद्यालय ने उन्हें सम्मानित किया। ट्रॉफी जीतकर लौटे इन खिलाड़ियों का मैनपुरी में जगह-जगह सम्मान हो रहा है।

# मैनपुरी में डीआरपी यूनियन के पदाधिकारी चयनित

### चक्रवर्ती सम्राट अशोक सेना ने दी बधाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी जिले में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 2026 के तहत उत्तर प्रदेश डीआरपी यूनियन के पदाधिकारियों का चयन किया गया है। शनिवार को ज्योति स्थित कार्यालय पर चयन समिति द्वारा सर्वसम्मति से विभिन्न पदों पर नियुक्तियां की गईं। इसमें प्रतिमा शाक्य को प्रदेश मंत्री बनाया गया है।

चक्रवर्ती सम्राट अशोक सेना भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुशवाहा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विशेष रूप से प्रतिमा शाक्य को बधाई देते हुए कहा कि संगठन का यह निर्णय सराहनीय है। प्रतिमा शाक्य लगातार महिलाओं की समस्याओं को अधिकारियों तक पहुंचाती हैं और उन्हें न्याय दिलाना उनकी प्राथमिकता रही है। प्रदेश मंत्री प्रतिमा शाक्य ने बताया कि डीआरपी का मानदेय काफी समय से लंबित है, जिसके भुगतान न होने के कारण लखनऊ में जल्द ही प्रदर्शन की तैयारी चल रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात करने का भी निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के समस्त डीआरपी मानदेय न मिलने के कारण आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मानदेय भुगतान न होने और संबंधित थीम के डीआरपी को ड्यूटी न मिलने पर आंदोलन किया जाएगा।

# मनरेगा चौपाल में मजदूरों ने उठाई भुगतान की समस्याःमैनपुरी में कांग्रेस की चौपाल, बोले- काम के लिए भटकना पड़ रहा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी के कुरावली ब्लॉक के अशोकपुर गांव में शनिवार को कांग्रेस राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन ने "मनरेगा बचाओ चौपाल" का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गौरव कुमार खेड़ा ने की, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

चौपाल को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गौरव कुमार खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लगातार गांवों में जाकर किसानों और मजदूरों की समस्याओं को जान रही है और उन्हें उजागर कर रही है। उन्होंने मनरेगा योजना को ग्रामीण मजदूरों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बताया, जिससे उन्हें गांव में ही रोजगार और आय का साधन मिलता था। चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं खुलकर बताईं। उनका कहना था कि पहले मनरेगा के तहत काम आसानी से मिल जाता था और मजदूरी का भुगतान भी समय पर होता था। अब काम पाने के लिए काफी प्रयास करने पड़ते हैं और भुगतान के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कुछ ग्रामीणों ने मौजूदा हालात पर नाराजगी जताते हुए कहा कि गरीब मजदूरों की सुनवाई नहीं हो रही है और उन्हें अपने हक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। कई लोगों ने वर्तमान व्यवस्था की तुलना कठोर शासन से की। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने आश्वासन दिया कि पार्टी किसानों और मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगी और उनकी समस्याओं को हर स्तर पर उठाया जाएगा।

कार्यक्रम में हरेन्द्र राउत, पंकज कुमार, हिमांशु सेन, सुधीर यादव, चंद्रशेखर यादव, सचिन राजपूत, दीपक सिंह, गोविंद कठेरिया, राजवीर सिंह, सुधा देवी, चंद्र कांता कुमारी, राजबेटी देवी, विशम्भर सिंह, राधा देवी, आलोक सिंह, मेहरवान सिंह, उदय राज, जानकी देवी, कुमारी शिप्रा और शीलेन्द्र सिंह सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

# प्रभारी मंत्री ने मैनपुरी का दौरा किया, व्यवस्थाओं का जायजा लिया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने मैनपुरी जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निमार्णाधीन साइबर थाना, जिला अस्पताल सहित कई सरकारी संस्थानों का निरीक्षण किया। मंत्री ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और विभिन्न मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

अपने दौरे की शुरूआत में प्रभारी मंत्री करहल की अनाज मंडी पहुंचे। उन्होंने गेहूं खरीद व्यवस्था की समीक्षा की और किसानों तथा मंडी अधिकारियों से बातचीत की। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गेहूं की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि फसल बेचने में किसी भी परेशानी पर वे सीधे प्रशासन को सूचित करें, क्योंकि सरकार हर किसान को उसकी उपज का पूरा दाम दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला अस्पताल का निरीक्षण

किया इसके बाद मंत्री ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मरीजों से भी बातचीत की। निरीक्षण में सामने आया कि अस्पताल में प्रतिदिन लगभग एक हजार मरीज पंजीकरण करा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि मरीजों को इलाज में राहत मिल रही है और सरकार का सुशासन, सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का लक्ष्य जमीनी स्तर पर साकार होता दिख रहा है।

मंत्री असीम अरुण के बयान का समर्थन किया कन्नौज में मंत्री असीम अरुण के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नरेंद्र कश्यप ने उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा कि असीम अरुण एक अनुभवी पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और समाज कल्याण मंत्री के रूप में उन्होंने उत्कृष्ट कार्य किया है।

कश्यप ने 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में हुए दंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस अवधि में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब थी, इसलिए असीम अरुण का बयान काफी हद तक सही है। कहा- SIR चुनाव व्यवस्था को और पारदर्शी बनाएगी मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) को लेकर उठ रहे सवालों पर मंत्री ने कहा कि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता और परिश्रम के साथ यह प्रक्रिया पूरी की है। बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने के संबंध में उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें स्थान परिवर्तन जैसे कारण भी शामिल हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह प्रक्रिया चुनाव व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाएगी।

## कुछ नेता हर संस्था के काम पर संदेह करते हैं

विपक्ष द्वारा लगातार संस्थाओं पर सवाल उठाने को लेकर उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता हर संस्था के काम पर संदेह जताते हैं, जबकि अच्छे कार्यों की सराहना होनी चाहिए ताकि संस्थाएं और बेहतर काम कर सकें। वृंदावन में नाव डूबने की घटना पर जताया दुख वृंदावन में हुई दुखद घटना पर मंत्री ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि यमुना में स्नान के दौरान हुई इस घटना में 10 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि कुछ लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है और प्रशासन को राहत व बचाव कार्यों के निर्देश दिए गए हैं।

# मैनपुरी टीचर्स प्रीमियर लीग में जागीर हंटर्स की जीत

### 9 विकेट से जीता मैच, राहुल यादव बने मैन ऑफ द मैच

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी के क्रिश्चियन ग्राउंड में चल रही मैनपुरी टीचर्स प्रीमियर लीग में शनिवार को जागीर हंटर्स ने सुल्तानगंज डायनामाइट को 9 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस रोमांचक मुकाबले को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मैदान पर मौजूद रहे।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सुल्तानगंज डायनामाइट की टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 8 विकेट खोकर 133 रन बनाए। टीम की ओर से नीरज यादव ने सबसे ज्यादा 33 रन का योगदान दिया, जबकि राहुल और अनिल ने 22-22 रन बनाए। जागीर हंटर्स के गेंदबाज राहुल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, वहीं राजू को 2 सफलताएं मिलीं। 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जागीर हंटर्स ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने महज 10 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। दीपू ने 58 रन की दमदार पारी खेली, जबकि शिवांक ने 25 और अनूप ने 13 रन का योगदान दिया। सुल्तानगंज की ओर से सुधीर को एकमात्र विकेट मिला।

ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए राहुल यादव को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। मैच का आंखों देखा हाल ऋषि चौहान और दीपचंद्र ने सुनाया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी नितिन मुकेश और दीपक पांडे ने संभाली। मुकाबले में रवि सिंह और रवि कुमार ने अंपायरिंग की।

इस दौरान सतीश, राहुल, सचिन, पवन, अनुरुद्ध, कुल प्रताप, नमन तिवारी, राम दीक्षित और जेपी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। टूर्नामेंट में प्रतिदिन हो रहे रोमांचक मुकाबले दर्शकों में खासा उत्साह भर रहे हैं।

# यमुना स्टीमर हादसा: ठेकेदार और चालक गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मथुरा/वृन्दावन।** यमुना नदी में हुए दर्दनाक स्टीमर हादसे में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए PWD ठेकेदार नारायण सिंह और स्टीमर चालक पप्पू उर्फ दाऊजी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में इस हादसे के पीछे गंभीर लापरवाही और सुरक्षा मानकों की खुली अनदेखी सामने आई है।

जानकारी के अनुसार स्टीमर चालक बिना किसी सेफ्टी उपकरण के श्रद्धालुओं को यमुना विहार करा रहा था और निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को सवार कर लिया गया था। इसी बीच PWD ठेकेदार नारायण सिंह ने बिना प्रशासन को सूचना दिए पैंटून पुल खिंचवा दिया। स्थानीय लोगों द्वारा मना किए जाने के बावजूद पुल को खींचा गया और नाव-स्टीमर की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्टीमर पैंटून पुल से टकरा गया, जिससे संतुलन बिगड़ने पर वह पलट गया और उसमें सवार श्रद्धालु यमुना में गिर गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बचाव के लिए चीख-पुकार गूंज उठी। हादसे के बाद से राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। अब तक यमुना से 11 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 4 श्रद्धालु अभी भी लापता हैं। SDRF, NDRF और स्थानीय गोताखोरों की टीमें पिछले 24 घंटे से अधिक समय से सर्च ऑपरेशन में जुटी हुई हैं। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं इस घटना ने एक बार फिर नदी परिवहन में सुरक्षा इंतजामों और प्रशासनिक निगरानी की पोल खोल दी है, जिस पर अब बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

# मुख्यमंत्री योगी से मिले सांसद राजकुमार चाहर, फतेहपुर सीकरी के विकास के लिए रखे कई अहम प्रस्ताव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

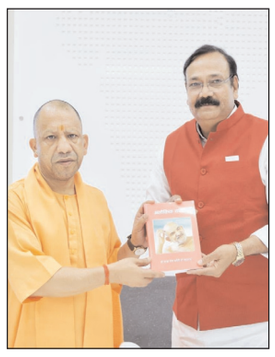

**आगरा।** फतेहपुर सीकरी से सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने शनिवार को लखनऊ स्थित कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सांसद ने अपने संसदीय क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुलाकात के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को बाबा नीम करौरी जी की अलौकिक यथार्थ पुस्तक भी भेंट की।

बैठक में सांसद चाहर ने आगरा में बैराज निर्माण की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया। इस पर मुख्यमंत्री ने बताया कि परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराई जा रही है। इसके साथ ही सांसद ने बाह क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि एनजीटी और टीटीजेड के नियमों के कारण आगरा में उद्योग लगाना मुश्किल है, इसलिए बाह क्षेत्र में उद्योग स्थापित कर स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएं।

सांसद ने खारी नदी (जैंगारा-बसैया बोवल मार्ग) पर पुल निर्माण की मांग भी रखी। उन्होंने बताया कि पुल न होने के कारण हाल ही में एक दुर्घटना हो चुकी है, ऐसे में इस कार्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा आगराझग्वालियर मार्ग पर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक धनराशि आवंटित करने की भी मांग की गई। बाह क्षेत्र में उपलब्ध भूमि का जिक्र करते हुए सांसद चाहर ने वहां पुलिस प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया। वहीं यूपीएसआईडीसी द्वारा वर्ष 2007-08 में अधिग्रहित 111 हेक्टेयर भूमि, जो अब तक निष्क्रिय पड़ी है, को आईटी पार्क के रूप में विकसित करने का सुझाव रखा। उन्होंने कहा कि यह जमीन आईटी पार्क के लिए उपयुक्त है।

इसके अलावा संसदीय क्षेत्र की प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण और नई सड़कों के निर्माण से जुड़े प्रस्ताव भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखे गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रस्तावों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्य जल्द शुरू कराए जाएंगे।

# सीडीएस, एनडीए एवं एनए परीक्षा 12 अप्रैल को 10 परीक्षा केंद्रों पर, 3929 परीक्षार्थी पंजीकृत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अलीगढ़।** अपर जिलाधिकारी नगर किंशुक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में संघ लोक सेवा आयोजित सीडीएस, एनडीए एवं एनए परीक्षा के संबंध में सेक्टर मजिस्ट्रेट, नोडल अधिकारियों, केंद्र व्यवस्थापकों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि सीडीएस परीक्षा 12 अप्रैल को तीन पालियों में क्रमशः प्रातः 09 बजे से 11 बजे, दोपहर 12:30 से 02:30 बजे एवं सांय 04 बजे से 06 बजे तक नगर के तीन परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी जबकि एनडीए एवं एनए की परीक्षा दो पालियों में क्रमशः प्रातः 10 बजे से 12:30 बजे तक एवं सांय 02 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। बैठक में बताया गया कि सीडीएस परीक्षा नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज, टीकाराम कन्या महाविद्यालय एवं टीकाराम कन्या इंटर कॉलेज में जबकि एनडीए एवं एनए की परीक्षा एसएमबी इण्टर कॉलेज, धर्मसमाज महाविद्यालय, श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, रतन प्रेम डीएवी गर्ल्स इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, रघुवीर सहाय इंटर कॉलेज एवं माहेश्वर गर्ल्स इंटर में संपन्न कराई जाएगी। उक्त परीक्षाओं में 3929 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। एडीएम ने बताया कि परीक्षाओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए 04 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 10 स्टेटिक मजिस्ट्रेट के साथ ही रिजर्व स्टाफ की भी तैनाती की गई है। एडीएम ने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा केंद्र में सामान्य घड़ी से लेकर सभी प्रकार के इलैक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित किए गए हैं, इसका पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने केंद्र सुपरवाइजर्स को निर्देशित किया कि वह कक्ष निरीक्षकों को आयोग के दिशा-निर्देशों से भली-भांति अवगत करा दें ताकि पारदर्शिता से शुचितापूर्ण परीक्षा संपन्न कराई जा सके। एडीएम सिटी किंशुक श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती कर दी गई है, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता और गोपनीयता सुनिश्चित की जा सके। प्रश्नपत्रों एवं गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित भंडारण, समयबद्ध वितरण एवं परीक्षा उपरांत जिला कोषागार में सुरक्षित जमा कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। नगर मजिस्ट्रेट, पुलिस प्रशासन एवं अन्य विभागों के समन्वय से सुरक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन एवं स्वच्छता से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुदृढ़ की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी मजिस्ट्रेट्स आयोग द्वारा दिए गए निदेर्शों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे।

# एएमयू में छापे के दौरान मिली आपत्तिजनक सामग्री के संबंध में बजरंगबल ने की सीबीआई जांच की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अलीगढ़।** बजरंगबल अलीगढ़ ने विगत 8 अप्रैल 2026 को अलीगढ़ पुलिस ?द्वारा अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय के जियाउद्दीन हॉल में मारे गए छापे में बरामद अति आपत्तिजनक सामिग्री के संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिख कर इस मामले की इस्लामिक जिहादी गतिविधि की दृष्टि से सीबीआई जांच की मांग की है।बजरंगबल अलीगढ़ के संयोजक गौरव शर्मा ने कहा है कि भारत व विश्व पटल पर घट रही इस्लानिक जिहादी घटनाओं और विगत में अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान परिस्थितियों में बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है। भविष्य में प्रशासनिक शिथिलता के कारण बही आतकी वारदात घटित ना हो इस हेतु अत्यंत संवेदनशीलता की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा कि आप जानते हैं कि विगत 8 अप्रैल 2026 को अलीगढ़ पुलिस ?द्वारा छापा मारकर अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय के जियाउद्दीन हॉल से अति आपत्तिजनक सामियौ, जिसमें देसी पिस्टल 32 बोर की दो मैगजीन, 315 बोर के चार खोखे, 9 एमएम का एक कारतूस, 12 बोर के चार कारतूस और कुछ 12 बोर खोखे, इसके अलावा 100 रुपये के छह नकली नोट, आठ मोबाइल फोन और एक लैपटॉप बरामद किए है। बजरंगबल अलीगढ़ पुलिस को इस सामयिक व साहसिक कार्यवाही के लिए बधाई देता है, किंतु बजरंगबल इसे मात्र आपराधिक घटना नहीं मानता, जैसा कि अलीगढ़ के माननीय ज्येष्ठ पुलिस अधीक्षक की प्रेस वार्ता से स्पष्ट होता है।गौरव शर्मा ने आगे बताया कि पुलिस ने उक्त हॉस्टाल के द्वितीय वर्ष के पत्र शहवाज उर्फ छोटू के कमरे से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री के साथ शहबाज के नाम की दो अलग-अलग उम वाली हाईस्कूल मार्कशीट और दो अलग-अलग नामांकन पत्र भी बरामद किए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह गंभीर जांच का विषय है कि छात्र जाली दस्तावेजों के जरिए यूनिवर्सिटी में रह रहा था या फर्जी तरीके से नामांकन कराया हुआ था। एक और उल्लेखनीय तथ्य यह है कि जिस पुलित्त छापे की जानकारी अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय प्रशासन तक को नहीं थी, तब आरोपी छात्र मांक से फरार कैसे हो गया? उसकी फरारी से यह सिद्ध है कि स्थानीय पुलिस अथवा एएमयू प्रशासन के कुछ लोगों को इस अपराधियों से सांठगांठ है। गौरव शर्मा ने गृह मंत्री अमितशाह को प्रेषित पत्र में विगत 4 अप्रैल 2029 को अलीगढ़ महानगर के अनूपशहर रोड एफएम टॉवर के पास दिनदहाड़े रंजिश में नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलरशानू खान पुत्र खुर्शीद खान निवासी धौरो माफी थाना क्वार्सी को गोली मारने कि घटना का भी उल्लेख किया है जिसमें कई गोलियां चलाई गई थी। बजरंगबल के संरक्षक अशोक चौधरी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय संपूर्ण भारत के मुस्लिम अपराधियों और इस्लामिक जिहादियों का गढ़ बन चुका है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस इस विश्ववि?द्यालय के केंद्रीय स्वरूप के कारण अपने को सम्यक विधिक कार्यवाही करने में सदैव लाचार अनुभव करती हैं। विगत अनेक घटनाओं में पुलिस ने रिपोर्ट तो दर्ज की और कार्यवाही किए जाने की घोषणा भी की किंतु कुछ नहीं किया इसका कारण मुसलमानों के प्रति तुष्टिकरण की राजनीति है। उन्होंने आशंका व्यक्त की है कि वर्तमान परिस्थितियों में जब इस्लामिक जिहादी संगठन देश भर में गजवा ए हिंद के कुत्सित उद्देश्य से हिंसक घटनाएं करने को आमादा है, पूर्व में घटित अनेक घटनाएं इस ओर संकेत करती है, तब यह आवश्यक है उक्त संबंध में गहन शासकीय जांच कर आवश्यक विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएं। उन्होंने आगे कहा कि हम भविष्य में 10 नवंबर 2025 की शाम दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास एक कार में हुए भीषण विस्फोट जैसी घटनाएं नहीं चाहते, जिसका आरोपी एक एमबीबीएस डॉक्टर था।बजरंगबल के महानगर अध्यक्ष ठाकुर संजय सिंह ने मांग की कि उक्त समस्त प्रकरण की सीबीआई जांच कराई जाएं। सभी छात्रावासों को प्रशासन तत्काल अपने अधिकार में ले, उनकी सघन तलाशी करें तथा छात्रावासों में सभी रहने वालों के रिकॉर्ड खंगाले जाएं। एक आईएएस और एक आईपीएस स्तर के अधिकारी की नियुक्ति इस उद्देश्य से आवश्यक है, ताकि अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि?द्यालय की कानून व्यवस्था सुचारू व्यवस्था और छात्रावासों की सजग होकर निगरानी हो सकें। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निकटवर्ती क्षेत्र में दो अतिरिक्त थाने बने, एक अनूपशहर रोड पर और एक दोदपुर (महानगर की ओर)। प्राथमिकता के आधार पर इसका अल्पसंख्यक स्वरूप समाप्त किया जाए। इसमें भारत के संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार आरक्षण व्यवस्था लागू की जाएं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में पोषित इस्लामिक जिहादी मानसिकता के अध्यापकों और अन्य अधिकारी कर्मचारियों को गुपचर एजेंसियों के माध्यम से खोजा जाएं।

# दर्ज मुकदमे में शिकायतकर्ता ने फैसले के नाम पर पैसे लेने के बाद नामजद लोगो को भिजवाया जेल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अलीगढ़।** पूरा मामला थाना सासनी गेट इलाके के दुर्गापुरी का बताया जा रहा है जहाँ विगत दिनों पूर्व मामूली कहासुनी को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया था जिसके चलते स्थानीय पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक दर्जन से अधिक लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था मुकदमा दर्ज होने के बाद शिकायतकर्ता ने एफआईआर में नामदर्ज लोगो से फैसले के नाम पर एक मोटी रकम वसूली थी और मुकदमे के फैसले के शपथपत्र एसएसपी और जाँच अधिकारी को दिए थे लेकिन उसके बाद शिकायतकर्ता ने अत्यधिक रुपयों की डिमांड और पैसे ना मिलने पर नामदर्ज लोगो के खिलाफ गिरफ्तारी की शिकायत लेकर एसएसपी ऑफिस पहुँचकर सभी लोगो को जेल भिजवा दिया जिसके बाद लगातार उसके लेनदेन की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है वही आज जेल गए लोगो के परिजनों ने एसएसपी दफ्तर पहुंचकर शातिर महिला दुलारी देवी के खिलाफ शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की है और पुलिस से अपने पैसे वापस दिलाने की न्याय की गुहार लगाई है। वही जानकरी देते हुए पीड़ित महिला निर्मला देवी ने बताया कि हमारे बच्चों का माहौर समाज और बाल्मीक समाज में झगड़ा हो गया था उसमे बेगुनाह हमारे बच्चों को फसा दिया है दुलारी देवी ने पहले बोल रही थी कि एक लाख रूपए दे दो में समझौता कर लुंगी जब हमने सब लोगो ने दस दस हजार रुपए मिलाकर एक लाख रूपए दे दिए तो अब देने के बाद दोपहर के समय दुलारी देवी फिर आती है समझौता बगैरहा सब कर लिया हमारे पास सब है उसकी वीडियो भी उसके बाद हमसे ये कहती है कि मुझे चार लाख रूपए और चाहिए अगर नहीं दोगी चार लाख तों कप्तान साहब से शिकायत करके आपके बच्चों को जेल भिजवा दूंगी हम चार लाख कहा से करते हम तो गरीब आदमी है हमसे उससे बहुत कहा लेकन फिर भी हमारे बच्चों को जेल भेज दिया लेकिन एक लाख रुपए लोटाया नहीं उन्होंने हम सबसे उसने पैसे लिए है मुकदमे में 13 लोग थे सबसे दस दस हजार रुपए लिए है हमने 15-20 दिन पहले पैसे दिए थे समझौते के लिए लिखत में समझौता हुआ था वकील साहब ने शपथ पत्र बनावये थे और हमने इसे जो पैसे दिए थे उसकी वीडियो भी हमारे पास मौजूद है आज हम एसएसपी ऑफिस आये है और इसकी शिकायत कि है उन्होंने हमसे थाने जाने को कहा है।

# नगला शीशियां में सती माता व श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में मेले का शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों ने की पूजा-अर्चना

**आगरा।** ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के बरौली अहीर मंडल अंतर्गत गांव नगला शीशियां में शनिवार को सती माता एवं श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में आयोजित पारंपरिक मेले का विधिपूर्वक शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में ब्लॉक प्रमुख उत्तम सिंह काका की उपस्थिति में मंदिर में पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भाजपा बरौली अहीर मंडल अध्यक्ष हरीमोहन कुशवाह ने बताया कि मेले के आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मेला कमेटी के अध्यक्ष छोटेलाल कुशवाह (प्रधान) सहित चन्द्रभान कुशवाह (प्रधान), राजवीर सिंह कुशवाह, हरप्रसाद कुशवाह, नरेन्द्र कुमार कुशवाह, वीपी सिंह (प्रधान), पदम सिंह कुशवाह, सत्यप्रकाश कुशवाह, भगीरथ सिंह, सोनपाल, नारायण सिंह, शोभाराम, घूरेराम, गोपाल सिंह, मान सिंह, गिर्राज सिंह, भगवान सिंह, कैलाशी राम, रामवीर सिंह, रामदास बाबा और निहाल सिंह समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। मेले में श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और मेले का आनंद लिया। आयोजन के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने पर जोर दिया।

# नए सत्र में फिर कमीशनखोरी का खेल अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**आगरा।** नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ ही जनपद के निजी विद्यालयों में किताब, कॉपी और स्कूल परिधानों की खरीद को लेकर कथित कमीशनखोरी का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। प्रोग्रेसिव एसोसिएशन ऑफ पेरेंट्स (टीम पापा) ने आरोप लगाया है कि स्कूल प्रबंधन अभिभावकों को निश्चित दुकानों और विद्यालय परिसर से ही सामग्री खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। संगठन के संस्थापक एवं संरक्षक मनोज शर्मा ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि विभाग की निष्क्रियता के कारण विद्यालयों के हौसले बुलंद हैं। उनका कहना है कि हर साल नए सत्र में अभिभावकों को इसी तरह लूटा जाता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते। परिणामस्वरूप अभिभावक मजबूरी में महंगे दामों पर किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने को विवश हैं।

टीम पापा ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा अधिनियम 2018/2020 के तहत किसी भी निजी विद्यालय को यह अधिकार नहीं है कि वह अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या विद्यालय परिसर से सामग्री खरीदने के लिए बाध्य करे। नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि पहली शिकायत पर एक लाख रुपये, दूसरी पर पांच लाख रुपये का जुमार्ना और तीसरी बार दोषी पाए जाने पर विद्यालय की मान्यता समाप्त की जा सकती है। इसके बावजूद पिछले कई वर्षों में न तो इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लग पाई है और न ही किसी विद्यालय के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सामने आई है।

संगठन का आरोप है कि कई विद्यालयों में कक्षावार तैयार किए गए किताब-कॉपी और परिधान के पैकेट सीधे अभिभावकों को थमाए जा रहे हैं, जिससे विकल्प की गुंजाइश खत्म हो जाती है। विद्यालय परिसरों और संबंधित दुकानों में पैकेटों पर कक्षा और सेक्शन के अनुसार नंबरिंग कर उन्हें बेचा जा रहा है, जिसे टीम पापा ने कमीशनखोरी का स्पष्ट प्रमाण बताया है। टीम पापा ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन अभिभावकों के साथ मिलकर आंदोलन की राह अपनाएगा। साथ ही शिक्षा विभाग से मांग की गई है कि नियमों का सख्ती से पालन कराते हुए दोषी विद्यालयों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अभिभावकों को इस आर्थिक शोषण से राहत मिल सके।

# कैनाडी हाल में संगीत कार्यक्रम प्रेल्यूड में उमड़ा छात्रों का जनसैलाब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अलीगढ़।** अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र के फ्यूजन संगीत क्लब द्वारा आयोजित प्रेल्यूड 2026 के उद्घाटन संगीत समारोह में विश्वविद्यालय छात्रों की भारी भीड़ उमड़ी। यह आयोजन केनेडी सभागार में संपन्न हुआ।इस अवसर पर प्रो. फारसी विभाग की राना खुर्शीद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र के समन्वयक प्रो. मोहम्मद रिजवान खान, क्लब के अध्यक्ष डॉ. अनवर अहमद, मार्गदर्शक डॉ. मुजाहिद तथा क्लब के सचिव अंबर तारिक भी मंच पर उपस्थित रहे। शास्त्रीय, समकालीन तथा मिश्रित संगीत के मनमोहक समन्वय से सजे इस कार्यक्रम ने युवा प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। छात्र कलाकारों अबीयर तारिक, फरुख्ता जबीन, हुनैन मरगूब, कैफ गुलजार, मरियम फरहान, रूजल फातिमा (रिम के साथ), दबीर-उल-हसन, मोहम्मद साकिब, शहनवाज रावबा, तकी इमाम सहित अन्य की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के अंत में अंबर तारिक की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही।इस अवसर पर क्लब के अंतर्गत एक आंतरिक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों का मूल्यांकन संगीत की गुणवत्ता, मंच प्रस्तुति तथा समग्र प्रदर्शन के आधार पर अनुभवी पूर्व छात्रों एवं वरिष्ठ सदस्यों के निर्णायक मंडल द्वारा किया गया।कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथि, समन्वयक तथा आयोजन दल को सम्मानित किया गया। साथ ही, कार्यक्रम के सफल संचालन और नेतृत्व के लिए अंबर तारिक को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।इस भव्य आयोजन में 2,000 से अधिक छात्रों की उपस्थिति दर्ज की गई।

# ज्योतिबा फुले जयंती पर 200 शिक्षकों का सम्मान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**आगरा।** महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर कुशवाह युवा मंच द्वारा शनिवार को होटल वन्या पैलेस, पश्चिमपुरी चौराहा पर शैक्षिक कार्यशाला एवं शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा फुले के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षाविद और समाजसेवी मौजूद रहे। समारोह में कुशवाहा समाज के करीब 200 शिक्षकों, कॉलेज प्रबंधकों, प्रोफेसरों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशिष्टजनों को ज्योतिबा फुले शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। अतिथियों ने शिक्षकों को समाज का सच्चा मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि उनके योगदान से ही विद्यार्थियों का भविष्य संवरता है और समाज प्रगति की राह पर आगे बढ़ता है।

मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग की सदस्य डॉ. सीमा शाक्य ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है और शिक्षक व्यक्तित्व निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक भगवान सिंह कुशवाहा ने की। विशिष्ट अतिथियों में महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाहा, गिर्राज सिंह कुशवाहा, गंगाधर कुशवाहा और ऊदल सिंह कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुशवाहा और शेर सिंह कुशवाहा रहे, जबकि संचालन महासचिव मुकेश कुशवाहा और डॉ. धर्मेंद्र कुशवाहा ने किया। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष विपिन कुशवाह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों का सम्मान करना समाज का दायित्व है। ऐसे आयोजन न केवल शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हैं, बल्कि समाज को भी आगे बढ़ाने की दिशा में प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष राघवेन्द्र कुशवाहा, निवर्तमान अध्यक्ष मनीष कुशवाहा, कृपाल कुशवाह, केपी कुशवाह, कुवित कुशवाह, राहुल कुशवाह, सौरभ कुशवाह, निशांत कुशवाह, नितिन कुशवाह, प्रेम कुशवाह, अर्पित कुशवाह और सुनील कुशवाह सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# जमाल गाजी अखिल भारतीय पंचायत परिषद में शामिल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अलीगढ़।** अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी ठाकुर गवेंद्र सिंह एडवोकेट के प्रयासों से समाजसेवी मिलनसार लोकप्रिय कर्मठ जुझारू संघर्षशील जमालगाजी निवासी बरला सराय जिला अलीगढ़ अखिल भारतीय पंचायत परिषद में शामिल हो गए ज्ञात रहे जमाल गाजी छर्रा विधानसभा में बहुत ही लोकप्रिय एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति है जो जिला पंचायत सदस्य का पूर्व मे चुनाव भी लड़ चुके हैं और गांवों के विकास के लिए, क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए, जनता के साथ सदैव तत्पर रहते हैं प्रदेश प्रभारी ने कहा जमाल गाजी के संगठन में शामिल होने से जिले मे ही नहीं कई जिलों में पंचायत परिषद के संगठन को उनके अनुभव का लाभ मिलेगा उनका हार्दिक आभार प्रकट करते हुए उनको हार्दिक बधाई दी प्रदेश प्रभारी के साथ-साथ बधाई देने वाले राना दिनेश प्रताप सिंह प्रदेश अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहसंयोजक चौधरी महेंद्र सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष कु राजा बाबू गहलोत ,धीरेंद्र प्रताप सिंह सुशील गुप्ता ,प्रदेश सचिव अवनीश कुमार राघव, श्रीमती प्रियंका सिंह श्रीमती सुनीता सिंह , संगठन मंत्री ताहिर हुसैन ,जिला अध्यक्ष अनुज प्रताप सिंह जिला महासचिव कुव ँ कुशवीर सिंह एडवोकेट महानगर अध्यक्ष धर्मवीर सिंह पूर्व पार्षद रईस अहमद प्रधान आसिफ अली प्रधान सत्येंद्र सिंह पूर्व पार्षद मोहम्मद अजीम आदि ने प्रसन्नता व्यक्त कर हार्दिक बधाई दी।

## ट्रांसपोर्टर असगर अली मौत कांड में नया मोड़, हादसे से साजिश की ओर मुड़ी जांच

**आगरा।** शहर में ट्रांसपोर्टर असगर अली की संदिग्ध मौत का मामला अब नया मोड़ लेता जा रहा है। शुरूआत में इसे साधारण सड़क हादसा मानने वाली पुलिस अब सामने आए नए वीडियो और परिजनों के आरोपों के बाद साजिश के एंगल से जांच कर रही है। मामले में आरोपियों के मोबाइल फोन बंद हैं और मुख्य चालक फरार बताया जा रहा है, जिससे पूरे घटनाक्रम पर संदेह और गहरा गया है। खेरिया मोड़ से सामने आए वीडियो ने पुलिस की प्रारंभिक जांच पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में दिखाई दे रही परिस्थितियां यह संकेत दे रही हैं कि मामला महज सड़क दुर्घटना नहीं हो सकता। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि असगर अली को पहले से ही जीएसटी टीम की ओर से धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने जीएसटी अधिकारी निवेदिता सिंह और उनके पति अजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। बताया जा रहा है कि आरोपों के बाद से संबंधित अधिकारी अवकाश पर चले गए हैं और उनके मोबाइल फोन भी बंद हैं। इतना ही नहीं, मामले में नामजद अन्य लोगों के फोन भी स्विच ऑफ बताए जा रहे हैं, जिससे पुलिस की जांच और उलझती जा रही है। पुलिस ने जालौन नंबर की संदिग्ध कार की पहचान कर ली है, जिसे इस घटना से जोड़ा जा रहा है, लेकिन कार चालक अभी भी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

गौरतलब है कि शुरूआती दौर में पुलिस इस मामले को महज सड़क हादसा मान रही थी और एफआईआर दर्ज करने में भी देरी हुई। हालांकि, परिजनों ने लगातार प्रयास करते हुए वीडियो और अन्य साक्ष्य अधिकारियों को सौंपे, जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। अब जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं, जिससे मामला और अधिक संवेदनशील होता जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

## छोटी खबरें

### नेकी की दुकान पर नि: शुल्क पुस्तकों का दान, बच्चों को मिलेगा ज्ञान का संबल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** सब पढ़ें-सब बढ़ें के संकल्प को साकार करते हुए अखिल भारतीय वार्ष्णेय महिला एसोसिएशन द्वारा नेकी की दुकान पर नि:शुल्क पुस्तकों का दान किया गया। संस्था की पदाधिकारियों ने इस पहल को केवल किताबों का वितरण नहीं, बल्कि ज्ञान के आदान-प्रदान और अभावग्रस्त बच्चों के सपनों को पंख देने का सशक्त माध्यम बताया।संस्था की अध्यक्ष कल्पना वार्ष्णेय ने कहा कि समाज में अनेक प्रतिभावान छात्र ऐसे हैं, जिनके पास आगे बढ़ने का जज्बा तो है, लेकिन संसाधनों की कमी उनके मार्ग में बाधा बनती है। ऐसे में पुरानी पुस्तकें उनके लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती हैं।इस अवसर पर संस्था की टीम ने ह्यनेकी की दुकानह्ल के संस्थापक एडवोकेट दीपक शर्मा एवं उनके सहयोगियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया और उनके सेवा कार्यों की सराहना की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष डिंपल वार्ष्णेय, सचिव श्वेता वार्ष्णेय, पूनम वार्ष्णेय, रेणु वार्ष्णेय, मधु वार्ष्णेय, कुसुम वार्ष्णेय, प्रियांशी वार्ष्णेय, चित्रा वार्ष्णेय, नीलम वार्ष्णेय, अंजू वार्ष्णेय सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं।संस्था की इस सकारात्मक पहल की नगर के प्रबुद्ध जनों ने मुक्त कंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया।

### अंबेडकर जयंती की तैयारियां तेज, शोभायात्रा और बाइक रैली को लेकर बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** कोतवाली सदर में एसडीएम सदर राज बहादुर सिंह की अध्यक्षता में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के आयोजन को लेकर समाज के गणमान्य लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीओ सिटी योगेंद्र कृष्ण नारायण भी मौजूद रहे।बैठक के दौरान बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के लोगों के साथ विचार-विमर्श कर शोभायात्रा के आयोजन, सुरक्षा व्यवस्था और मार्ग निर्धारण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति बनाई गई।इस अवसर पर प्रतिनिधियों ने जानकारी दी कि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में शहर में बाइक रैली के रूप में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके बाद 28 अप्रैल को बाबा साहब की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा धूमधाम के साथ शहर में निकाली जाएगी।बैठक में लल्लन बाबू एडवोकेट, विश्व प्रताप उर्फ बंटी भैया, पंकज प्रेमाकर, सुनील कुमार, भगवान सिंह भारती, सरदार सुरजीत सिंह, ललित कुमार विमल, लोकेंद्र कुमार, शम्मी गौतम, डॉ. राहुल कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### जहरीले धुएं से बढ़ा पर्यावरणीय संकट, कार्रवाई की मांग तेज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** जनपद के सासनी-इगलास रोड एवं रुहेरी से रघनियां मार्ग पर संचालित टायर जलाकर तेल निकालने वाली फैक्ट्रियों से निकल रहा जहरीला धुआं क्षेत्र में गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर रहा है। इन इकाइयों से उत्सर्जित कालिख, कार्बन और विषैले तत्वों के कारण आसपास के गांवों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रदूषण के चलते सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इससे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। लगातार फैल रहे इस धुएं के कारण दमा, श्वास संबंधी रोगों और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है।इस मामले को लेकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने प्रशासन एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो जनआंदोलन किया जाएगा।साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराने की मांग भी उठाई गई है, ताकि लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

### चलती कार में लगी भीषण आग, दो युवकों ने कूदकर बचाई जान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** मुरसान क्षेत्र में इगलास मार्ग पर गांव रायख के निकट एक चलती कार में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। कार में सवार दो युवकों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। घटना की सूचना मिलते ही मुरसान पुलिस मौके पर पहुंच गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार सुमित पुत्र गौरी शंकर निवासी नूरपुर बरेली अपने मित्र आकाश पुत्र नरेश के साथ मुरसान क्षेत्र के गांव बरदवारी में अपनी बहन को लेने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक कार के इंजन से धुआं उठने लगा। युवकों ने गाड़ी रोककर जांच की, तो स्थिति सामान्य हो गई, लेकिन कुछ दूरी चलने के बाद फिर से धुआं उठने लगा।जब उन्होंने बोनट खोलकर देखा तो इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग चुकी थी। दोनों ने पानी और रेत डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती गई और कुछ ही देर में पूरी कार जलकर राख हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को भी बुलाया, लेकिन तब तक वाहन पूरी तरह नष्ट हो चुका था। घटना के दौरान आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर एकत्र हो गए, जिससे मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बन गई।

### तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** सासनी कोतवाली क्षेत्र के सिकुर गांव के पास देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।जानकारी के अनुसार सचिन (निवासी नगला आल) और आकाश (निवासी खितोली) बाइक से सासनी से केक लेकर अपने गांव खितोली जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर एकत्र हो गए और तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भिजवाया।पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

### डाकघर में 12 अप्रैल को लगेगा आधार सेवा शिविर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 12 अप्रैल 2026 (रविवार) को प्रात: 10 बजे से डाकघर में आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान आधार नामांकन, संशोधन एवं अन्य आवश्यक कार्य संपादित किए जाएंगे।डाक विभाग ने बताया कि जिन नागरिकों को आधार से संबंधित कोई भी कार्य कराना है, वे निर्धारित तिथि और समय पर पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।विभाग द्वारा अपील की गई है कि नागरिक आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर उपस्थित हों, ताकि उनका कार्य सुगमता और शीघ्रता से पूरा किया जा सके।

# हींग की मंडी में नकली जूतों का बड़ा खेल बेनकाब

**350 जोड़ी नकली ब्रांडेड जूते बरामद, बाजार में फैला रहे थे असली का भ्रम**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**आगरा।** ताजनगरी के प्रमुख व्यापारिक क्षेत्र हींग की मंडी स्थित शू बाजार में नकली ब्रांडेड जूतों के बड़े कारोबार का खुलासा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय ब्रांड Puma कंपनी की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की, जिसमें भारी मात्रा में नकली जूते बरामद किए गए। जानकारी के अनुसार कंपनी को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि हींग की मंडी क्षेत्र में कुछ दुकानों पर Puma ब्रांड के नाम पर नकली जूते बेचे जा रहे हैं। इन जूतों पर कंपनी का लोगो और डिजाइन हूबहू कॉपी किया गया था, जिससे आम ग्राहकों के लिए असली और नकली में फर्क कर पाना मुश्किल हो रहा था। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कंपनी की जांच टीम ने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई। छापेमारी के दौरान टीम ने संदिग्ध दुकानों पर दबिश दी, जहां से करीब 350 जोड़ी नकली जूते बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि ये जूते कम कीमत पर तैयार कर बाजार में महंगे ब्रांडेड उत्पाद के रूप में बेचे जा रहे थे, जिससे ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी हो रही थी और कंपनी की साख को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद दुकानदारों से पूछताछ की गई और जूतों के स्रोत के बारे में जानकारी जुटाई गई। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है, जिसमें सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा थाना कोतवाली में तहरीर दी गई है, जिसके आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नकली ब्रांडेड उत्पादों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं व्यापारियों को भी चेतावनी दी गई है कि वे इस तरह के अवैध कारोबार से दूर रहें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

## खनन माफियाओं का आतंक, पेट्रोल पंप पर युवक पर जानलेवा हमला

**सीसीटीवी में कैद वारदात, कार्रवाई को लेकर पुलिस पर उठे सवाल**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**आगरा।** ताजनगरी में खनन माफियाओं के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आ रहे हैं। ताजा मामला एत्मादपुर क्षेत्र के कुबेरपुर स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप का है, जहां बीती रात खनन माफियाओं द्वारा एक युवक पर जानलेवा हमला किए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि पेट्रोल पंप पर खड़े युवक पर कुछ लोगों ने अचानक हमला बोल दिया और उसे गंभीर रूप से घायल कर मौके से फरार हो गए। पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि एत्मादपुर क्षेत्र में लंबे समय से खनन माफियाओं का दबदबा बना हुआ है। पूर्व में भी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें खनन माफियाओं की संलिप्तता बताई गई है। आरोप है कि कुछ पुलिसकर्मियों की मिलीभगत के चलते इन पर सख्त कार्रवाई नहीं हो पाती, जिससे इनके हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

वहीं क्षेत्र में यह भी चर्चा है कि खनन माफियाओं पर समय-समय पर कार्रवाई के बावजूद वे फिर सक्रिय हो जाते हैं। अब देखना होगा कि इस ताजा घटना में पुलिस क्या सख्त कदम उठाती है या फिर यह मामला भी अन्य मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

## अक्रूर महाराज जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** अखिल भारतीय वार्ष्णेय वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) शाखा हाथरस द्वारा अध्यक्ष योगेश वार्ष्णेय (सहपऊ वाले) के नेतृत्व में वार्ष्णेय कुलभूषण अक्रूर महाराज जी की जयंती महोत्सव बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ भारत कलर लैब, जामा मस्जिद चौराहा पर मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अक्रूर महाराज जी की प्रतिमा एवं छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। योगेश वार्ष्णेय एवं सजीव वार्ष्णेय ने श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण किया। इसके पश्चात चंदन वार्ष्णेय एवं चंद्रगुप्त विक्रमादित्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया।अध्यक्ष योगेश वार्ष्णेय ने मुख्य अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान सभी वार्ष्णेय युवा साथियों ने सामूहिक रूप से अक्रूर महाराज जी की आरती उतारी तथा लड्डू का भोग लगाकर प्रसाद वितरण किया गया।वरिष्ठ समाजसेवी रमन गुप्ता और अनिल गुप्ता ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज के प्रति युवाओं को आगे आकर कार्य करना चाहिए, जिससे समाज का नाम रोशन हो। दीपक रफी एवं हरिराम सांचा ने अक्रूर महाराज जी की आरती के साथ काव्य पाठ भी प्रस्तुत किया।इस अवसर पर संगठन के अनेक सदस्य एवं वार्ष्णेय बंधु उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से योगेश वार्ष्णेय, वासुदेव वार्ष्णेय, मोहित वार्ष्णेय, हरिराम वार्ष्णेय, डॉ. इंद्र वार्ष्णेय, नरेंद्र वार्ष्णेय, हेमंत वार्ष्णेय, प्रभात वार्ष्णेय, अनिल गुप्ता, दीपक रफी, रमन गुप्ता, तरुण पंकज, डॉ. कुणाल, राहुल गुप्ता, रवि वार्ष्णेय, निर्मल वार्ष्णेय, तान्या वार्ष्णेय, राजेश वार्ष्णेय, खिलोनी वार्ष्णेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## महिला थाना की काउंसलिंग से सुलझा पारिवारिक विवाद, टूटा परिवार फिर जुड़ा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महिला थाना पुलिस की सराहनीय पहल से एक टूटता हुआ परिवार फिर से जुड़ गया। थाना प्रभारी रितु तोमर की काउंसलिंग के चलते पारिवारिक विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार भावना पुत्री अशोक निवासी ऊंट वाला मोहल्ला ने 28 जनवरी 2026 को अपने पति हरेंद्र पुत्र इंद्रपाल निवासी गंगचोली, थाना हाथरस जंक्शन के खिलाफ महिला थाना में लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में पति एवं ससुराल पक्ष पर मारपीट, गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार के आरोप लगाए गए थे।मामले को मिशन शक्ति फेज-5 के तहत गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाकर काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग के दौरान थाना प्रभारी रितु तोमर ने दोनों पक्षों की बातों को धैर्यपूर्वक सुना और आपसी समझदारी से विवाद समाप्त करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस की सकारात्मक पहल के बाद पति और ससुराल पक्ष ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न करने का आश्वासन दिया। वहीं महिला ने भी आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने की इच्छा जताई।अंततः दोनों पक्षों ने कानूनी कार्रवाई के बजाय आपसी समझौते को स्वीकार करते हुए साथ रहने का निर्णय लिया, जिससे परिवार में फिर से खुशियों का माहौल लौट आया।

## सासनी में 80वां ऐतिहासिक रथ महोत्सव मेला भव्यता के साथ शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कस्बा सासनी में आयोजित 80वें ऐतिहासिक रथ महोत्सव मेले का शुभारंभ भव्य, धार्मिक और उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। इस अवसर पर फोकस ग्रुप के डायरेक्टर एवं समाजसेवी डॉ. विकास शर्मा ने मेले का विधिवत उद्घाटन किया।

उद्घाटन के दौरान डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन सनातन परंपरा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि रथ महोत्सव जैसे आयोजन समाज में आस्था, भाईचारे और धार्मिक चेतना को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ते हैं।रथ महोत्सव के अंतर्गत काली पूजा एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठान श्री राधा कृष्ण मंदिर में संपन्न हुए। इसके बाद निकली भव्य शोभायात्रा ने पूरे कस्बे को भक्तिमय माहौल में रंग दिया। शोभायात्रा मुख्य बाजार, विष्णुपुरी, आगरा-अलीगढ़ रोड, बस स्टैंड, कमला बाजार, गांधी चौक, पथवारी मंदिर, ब्रह्मपुरी, चामड़, बजरिया, बारहसैनी और अयोध्या चौक सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः श्री राधा कृष्ण मंदिर पहुंची, जहां कार्यक्रम का समापन हुआ।पूजा-अर्चना का संचालन पंडित शैलेश शास्त्री एवं अभिषेक शर्मा ने किया। इस दौरान टिंकू शर्मा, अशोक शर्मा, देव किशन शर्मा, सुभाष चंद्र, प्रवेश, आशु शर्मा, प्रदीप उपाध्याय, देवेंद्र उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु और नगरवासी उपस्थित रहे।मेले में निकली आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य स्वरूप प्रदान किया। नगरवासियों ने भी उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

## मिशन शक्ति 5 .0 : हाथरस पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए हाथरस पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद भर में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस अधिकारी, एंटी रोमियो टीम और महिला बीट आरक्षियों द्वारा गांव, कस्बों, मोहल्लों एवं शिक्षण संस्थानों में चौपाल और जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति हिंसा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेष रूप से जानकारी दी जा रही है।थाना हसायन पुलिस द्वारा प्राथमिक विद्यालय परिसर में महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, वन स्टॉप सेंटर और महिला शक्ति केंद्र जैसी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसी क्रम में थाना चंदपा पुलिस ने जवाहर इंटर कॉलेज मीतई में छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में अवगत कराया।अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों और धार्मिक स्थलों पर भ्रमण कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और किसी भी आपात स्थिति में हेल्पलाइन नंबरों का निर्भीक होकर उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।पुलिस द्वारा बताया गया कि सभी थानों में महिला हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं, जहां महिला पुलिसकर्मी शिकायतों को सुनकर उनका त्वरित निस्तारण करती हैं। साथ ही महिलाओं को सोशल मीडिया पर सावधानी बरतने और अपनी गोपनीयता सुरक्षित रखने के लिए भी जागरूक किया गया।इसके अतिरिक्त एंटी रोमियो स्क्वॉड टीम द्वारा सार्वजनिक स्थलों, स्कूल-कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के आसपास सघन चेकिंग कर मनचलों पर निगरानी रखी जा रही है, जिससे महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सके।

## सीकुर-अकबरपुर मार्ग पर जलभराव से जनजीवन प्रभावित, ग्रामीणों ने उठाई स्थायी समाधान की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**हाथरस।** सीकुर से अकबरपुर मुख्य मार्ग पर गंभीर जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे स्कूली छात्रों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर भरे गंदे पानी ने न केवल आवागमन बाधित कर दिया है, बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर दिया है।

स्थानीय निवासी प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि स्कूल जाने वाले बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उनके कपड़े और जूते खराब हो जाते हैं।

साथ ही जलभराव के कारण सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों का कहना है कि यह जलभराव अब बीमारियों का केंद्र बनता जा रहा है। ठहरे हुए पानी में मच्छरों के पनपने से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वहीं गंदे पानी के संपर्क में आने से त्वचा रोग, हैजा और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों की आशंका भी बनी हुई है।जलभराव के चलते ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ता है या खराब मार्गों से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार वाहन फंसने या खराब होने से आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।ग्रामीण संजय चौधरी, रमेश चंद, रंजीत सिंह, प्रवीण कुमार, विष्णु कुमार, अमर सिंह, वीरेंद्र चौधरी सहित कई लोगों ने प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की है।ग्राम प्रधान बॉबी सिंह ने बताया कि अस्थायी राहत के लिए समय-समय पर पंप सेट से पानी निकाला जाता है। साथ ही स्थायी समाधान के लिए जिलाधिकारी को लिखित शिकायत भेजी गई है, जिसमें लगभग 300-400 मीटर लंबी नाली को तालाब तक निर्माण कराने का प्रस्ताव रखा गया है।

## तहसीलदार बनीं रश्मि का गांव पटैनी में भव्य स्वागत, क्षेत्र में खुशी की लहर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। मुरसान विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पटैनी की बेटी रश्मि के तहसीलदार पद पर नियुक्त होने पर गांव में हर्ष और गौरव का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर शिक्षकों एवं सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एकत्रित हुए और रश्मि को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने कहा कि रश्मि की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रश्मि अपने पद पर रहते हुए समाज के विकास, शिक्षा के उत्थान और प्रशासनिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देंगी।रश्मि ने सभी शिक्षकों और ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही वह इस मुकाम तक पहुंच सकीं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगी।कार्यक्रम का समापन रश्मि के भाई गगन राज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस दौरान गौरव पचौरी, राघवेंद्र गुप्ता, विष्णु राजपूत, अमित शर्मा, जितेंद्र कौशल, मोहित सेंगर, महेश चंद्र सहित कई शिक्षक, जनप्रतिनिधि, पूर्व सभासद सुनील चौबे एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

# यूपी: अमेठी में आंबेडकर प्रतिमा लगाने को लेकर बवाल ग्रामीणों ने किया पुलिस पर पथराव; कई पुलिसकर्मी घायल

अमेठी

रामगंज के नरहरपुर गांव में शनिवार को ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने विरोध करते हुए पथराव कर दिया, जिससे स्थिति अचानक तनावपूर्ण हो गई। इस दौरान तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि कई ग्रामीणों को भी चोटें आईं। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार नरहरपुर गांव में करीब पांच बिस्वा भूमि सुरक्षित खाते में दर्ज है, जिसका उपयोग पशु शव निस्तारण के लिए किया जाता है। आरोप है कि कुछ लोगों ने इस भूमि पर कब्जे की नीयत से पहले मिट्टी डालकर चबूतरा तैयार किया और उस पर डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। ग्रामीणों की शिकायत पर नायब तहसीलदार अजय सिंह राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पैमाइश कराई। जांच में भूमि सुरक्षित पाई गई, जिसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए चबूतरा हटवा दिया गया और रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी गई। शनिवार को दोबारा कुछ लोगों ने उसी स्थान पर चबूतरा बनाकर प्रतिमा स्थापित कर दी। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी से चबूतरा हटवा दिया। प्रतिमा को सम्मानपूर्वक सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया गया। हालांकि पुलिस टीम के लौटते ही कुछ लोगों ने फिर से उसी स्थान पर प्रतिमा स्थापित कर दी। दोबारा सूचना पर एसडीएम अमेठी आशीष सिंह के नेतृत्व में रामगंज, पीपरपुर और संग्रामपुर थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। प्रशासन द्वारा प्रतिमा हटाने की कार्रवाई शुरू होते ही भीड़ उग्र हो गई और विरोध करते हुए पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि कई ग्रामीणों को भी चोटें आईं। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और भीड़ को तितर-बितर कर हालात पर नियंत्रण पाया। 15 लोगों हिरासत में लिया गया है। पूरे गांव में एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की चर्चा है, हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी इसकी पुष्टि नहीं करती है।

### सुरक्षित जमीन पर कब्जे का प्रयास

एसडीएम आशीष सिंह ने बताया कि ग्राम समाज की सुरक्षित भूमि पर अवैध रूप से चबूतरा बनाए जाने की शिकायत मिली थी। पुलिस बल के साथ पहुंची राजस्व टीम ने चबूतरा हटवा दिया। बाद में प्रतिमा लगाने के प्रयास को भी हटवाकर मूर्ति को सुरक्षित स्थान पर रखवा दिया गया है।

### मौजूदा और पूर्व प्रधान की भूमिका संदिग्ध

ग्रामीणों के अनुसार सुरक्षित भूमि पर निर्माण कराए जाने में मौजूदा व पूर्व प्रधान की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पूर्व प्रधान रीना कोरी ने आरोप लगाया कि प्रतिमा स्थापना के लिए दिए गए पत्र पर उनके ससुर के फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने मामले से अपना कोई संबंध न होने की बात कहते हुए पुलिस को सूचना देने की जानकारी दी है। गांव में 22 मार्च को आंबेडकर प्रतिमा स्थापना को लेकर बैठक हुई थी, जिसमें कुछ ग्रामीणों ने सहमति जताई थी। हालांकि तहसील स्तर की जांच टीम ने इसे मान्य नहीं माना। एसपी सरवण टी ने बताया कि मामले में 14 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच हो रही है। गांव में एहतियातन फोर्स तैनात की गई है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नरहरपुर गांव में हुए बवाल के दौरान प्रभारी निरीक्षक कृष्ण मोहन सिंह, चौकी प्रभारी विकास कुमार, महिला कांस्टेबल किरन सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों का मेडिकल परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भादर में कराया गया। पुलिस ने उपद्रवियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है।

## एसपी ने सिढ़पुरा थाने का किया औचक निरीक्षण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** जनपद के थाना सिढ़पुरा का शनिवार को एसपी ओमप्रकाश सिंह ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वप्रथम थाना परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र का अवलोकन कर महिला संबंधित प्रकरणों के निस्तारण एवं अभिलेखों को अद्यावधिक रखने के निर्देश दिए। कार्यालय में मालखाना रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, एचएस रजिस्टर, आईजीआरएस रजिस्टर सहित अन्य अभिलेखों का निरीक्षण किया, उनमें जो भी कमियां मिलीं, उन्हें दूर करने के निर्देश दिए। थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, बैरक, बंदीगृह, भोजनालय, शस्त्रागार एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर उनकी समुचित देखरेख सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। थाना परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव एवं माल निस्तारण की प्रक्रिया को प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने पर विशेष बल दिया।

## कुशवाहा महासभा में मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** जूनियर हाई स्कूल नगला वाले में महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती कुशवाहा महासभा कासगंज द्वारा मनाई गई। जयंती की अध्यक्षता डॉक्टर तेज सिंह राजपूत द्वारा की गई और संचालन कुशवाहा महासभा कासगंज के महासचिव बृजकिशोर कुशवाहा द्वारा किया गया जिसमें समाज में शिक्षा और एकता का परिचय दिया। कुशवाहा महासभा कासगंज के जिला अध्यक्ष विनोद कुशवाहा ने समाज की एकता पर जोर दिया। कोषाध्यक्ष सौरभ कुशवाहा ने समाज को शिक्षित होना और महात्मा ज्योतिबा फूले के आदर्शों पर चलने की बात कही। इसमें कृपाल सिंह शाक्य, टीकम सिंह कुशवाह, पवन कुमार कुशवाहा, लाखन सिंह कुशवाहा, हरिशंकर कुशवाहा, ओमकार सैनी, जीतू कुशवाहा, सोनू कुशवाहा, पूरन कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, थान सिंह कुशवाहा, पदम प्रिय कुशवाहा, डॉक्टर वीरेंद्र कुशवाहा, राजू कुशवाहा (हलवाई), रवि कुशवाहा, उमेश कुशवाहा, हरीकिशंकर कुशवाहा नगला बैरिया, आकाश कुशवाहा, आदि लोग उपस्थित रहे।

## यातायात पुलिस ने रडार मशीन की सहायता से 27 वाहनों को पकड़ा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** यातायात के नियम पालन को लेकर पुलिस गंभीर बनी हुई है। शनिवार को चेकिंग के दौरान पुलिस ने रडार मशीन की सहायता ली। इस मशीन की मदद से पुलिस ने ओवर स्पीड में गुजर रहे 27 वाहनों को पकड़ा। अन्य नियमों की अनदेखी पर पांच स्कूली वाहनों समेत कुल 139 के चालान किए। 215500 रुपये का ऑनलाइन शमन शुल्क भी अधिरोपित किया। यातायात प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए यातायात पुलिस ने शनिवार को कस्बा ढोलना एवं अन्य प्रमुख स्थानों पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों को रोककर उनके दस्तावेज चेक किए, वाहनों के संबंध में सवाल जबाव किए। उन्होने बताया कि चेकिंग के दौरान ओवर स्पीड रडार मशीन से 27 वाहनों के चालान काटे, यह वाहन निर्धारित गति से तेज चल रहे थे। इसके अलावा पांच स्कूली वाहन समेत कुल 139 वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्रवाई की गई। वाहन चालकों पर 215500 रुपये का ऑनलाइन शमन शुल्क भी अधिरोपित किया गया है।

## विद्यार्थियों को वितरित किए वार्षिक परीक्षाफल, निकाली जागरूकता रैली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** ब्लॉक क्षेत्र सोरों के चकेरी स्थित कंपोजिट विद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षाफल वितरित किया गया। साथ ही स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली भी निकाली गई। एबीएसए रामरूप ने हरी झंडी दिखाकर स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ किया। स्कूल चलो रैली के माध्यम से 6 से 14 वर्ष के बच्चों को स्कूल में प्रवेश के लिए ग्राम वासियों को प्रेरित किया गया। स्कूल चलो रैली के उपरांत विद्यालय में वार्षिक उत्सव हुआ। एबीएसए ने बच्चों को परीक्षाफल, पुस्तक वितरित की। 50 मीटर, 100 मीट तथा 200 मीटर दौड़ में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं डिंपल, शिवानी, लिम्का, गीता, योगेश, अभय, यादवीर को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रधान अध्यापक मुनेश राजपूत, रीना गर्ग, शालिनी, रजनी गौतम, हाकिम सिंह, सीमा कुमारी, राजवती, मोहम्मद जावेद, कटोरी देवी, अनार देवी, प्रीति समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## सोरो पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के दो वांछित आरापियों को दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** सोरों कोतवाली पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया है। सोरों इंस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि सोरों कोतवाली में दर्ज गैंगेस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहे आरोपी सुरेश पुत्र भूप सिंह निवासी अल्लीपुर बरवारा, विकास पुत्र महावीर सिंह निवासी बरौदा को गत शुक्रवार को क्रमशरुअल्लीपुर बरबारा व बरौदा चैराहा से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है। आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई की है।

## पॉक्सो एक्ट का वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** सोरों कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। इंस्पेक्टर सोरों लोकेश भाटी ने बताया कि कोतवाली में दर्ज पॉक्सो एक्ट में मामले में वांछित चल रहे आरोपी मंकू उर्फ अवनीश पुत्र छोटेलाल निवासी गंगपुर थाना सिकन्दरपुर वैश्य को शुक्रवार की शाम कासगंज रोड से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है।

## कासगंज पुलिस ने वांरटी को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** शहर कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र से एक वारंटी गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर प्रवेश राना ने बताया कि कोतवाली पुलिस ने वारंटी नितिन गर्ग पुत्र प्रवीन गर्ग निवासी टीचर्स कोलोनी सिन्दराबाद जिला बुलन्दशहर को शनिवार को उसके मकान से गिरफ्तार किया है। उसके विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी हुआ था। पुलिस ने वारंटी को संबंधित न्यायालय में पेश किया है।

## खाने के विवाद में टूटी शादी: गोश्त को लेकर लड़ पड़े बराती-घराती; खुले मंच से दूल्हे ने दिया तीन तलाक

कानपुर

ककवन रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में शनिवार को निकाह के बाद दावत में लेग पीस को लेकर बरातियों व जनातियों में जमकर मारपीट हो गई। दोनों ने एक दूसरे पर कुर्सियां चलाईं। जनातियों के भारी पड़ने पर दूल्हे ने निकाह के मंच से ही दुल्हन को तीन तलाक दे दिया। देर रात तक गेस्ट हाउस में वर-वधू पक्ष में कहासुनी का दौर जारी रहा। बाद में वधू पक्ष ने दूल्हे पर आरोप लगाते हुए दुल्हन की विदाई से इन्कार कर दिया।

बारामऊ गांव निवासी बुजुर्ग ने अपनी बेटी का निकाह बिल्हौर निवासी युवक से तय किया था। शनिवार को ककवन रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में बरात पहुंची। निकाह की रस्म के बाद दूल्हा-दुल्हन जयमाल के लिए मंच पर पहुंचे तो कई बराती-जनाती खाना खाने लगे। इस बीच जनाती पक्ष का बराती पक्ष से लेग पीस व गोश्त डिब्बे में ले जाने को लेकर कहासुनी हो गई।

इस बीच बराती पक्ष से कुछ युवकों ने कुर्सियों व बर्तन से हमला कर दिया। इससे पिता-पुत्र लहूलुहान हो गए। उधर, बरातियों के मारपीट की सूचना जब दूल्हे को मिली तो वह आग बबूला हो उठा। जयमाल मंच से ही दुल्हन को तीन तलाक दे दिया। इसके बाद निकाह में आए लोग दो पक्षों में बट गए और झगड़ा शुरू हो गया। झगड़े में तीन अन्य लोगों को भी चोटें आईं। बाद में दूल्हा नर्म हुआ तो ससुर सहित अन्य लोगों के पैर छूकर मिन्नतें करने लगा।

वहीं, दुल्हन की मां ने बताया कि दूल्हे ने शरीयत के विरुद्ध काम किया है। अब वह अपनी पुत्री को विदा नहीं करेंगे और पुलिस कार्रवाई करेंगे। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि झगड़े की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। कई नशेबाजों को गेस्ट हाउस से हटाया गया है। अभी तक कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है।

## प्रेमी के लिए परिवार को धोखा: लड़की ने सबको दी चाय में नींद की गोली, टीटू ने तीन साथियों संग किया दुष्कर्म

नूरपुर (बिजनौर)

परिजनों को चाय में नशीला पदार्थ पिलाकर घर से निकली किशोरी प्रेमी के हाथों छली गई। प्रेमी किशोरी को एक बैंक्वेट हॉल में ले गया और तीन साथियों के साथ मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी किशोरी के घर से सोने-चांदी के आभूषण और दस हजार की नकदी भी चोरी कर लाए। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बाल अपचारी शामिल है। चौथे आरोपी की तलाश जा रही है।

घटना आठ अप्रैल की रात की है। नूरपुर क्षेत्र निवासी महिला ने शुक्रवार को दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसकी नाबालिग बेटी को गांव का ही टीटू पाल बहला-फुसलाकर परिजनों को खिलाने के लिए नशीली गोलियां दे गया। किशोरी ने चाय में गोलियां मिलाकर परिजनों को पिला दी। उनके बेसुध होने पर टीटू साथी विशेष, रितेश व एक किशोर के साथ मिलकर उनकी बेटी को एक बैंक्वेट हॉल में ले गया। वहां चारों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने उनके घर की अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और 10 हजार रुपये भी चोरी कर लिए। महिला ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें एक वैवाहिक कार्यक्रम में जाना था जब उसने आलमारी खोली तो आभूषण गायब मिले। नाबालिग के साथ दुष्कर्म व चोरी की वारदात की सूचना पर एएसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार सिंह, सीओ देश दीपक सिंह ने गांव पहुंचकर जानकारी ली। पुलिस ने दो आरोपियों टीटू, विशेष को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निगरानी में लिया है। किशोरी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया गया है। एएसपी ने बताया कि तीन आरोपियों को पकड़ लिया गया है जबकि चौथे को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार टीटू का आपराधिक इतिहास है। उस पर विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वाहन चोरी, पॉक्सो एक्ट के नूरपुर थाने में तीन, सिविल लाइन थाना मुरादाबाद में एक, चांदपुर में एक, गजरौला जनपद अमरोहा में एक मुकदमा शामिल है।

## गौशालाओं की बदहाली पर बजरंग दल में आक्रोश

### शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन करेगा आंदोलन-वशिष्ठ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** जनपद की विभिन्न समस्याओं को लेकर बजरंग दल ने एक बार फिर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विभाग संयोजक अमरीष वशिष्ठ ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन के साथ-साथ प्रेसवार्ता कर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गौशालाओं की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं।

उन्होंने बताया कि संगठन द्वारा पिछले कई वर्षों से जनपद की गौशालाओं का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। हाल ही में पचलाना गौशाला में जो भयावह स्थिति सामने आई, उसे लेकर बजरंग दल पहले ही प्रशासन को 11 सूत्रीय शिकायत पत्र देकर अवगत करा चुका था। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए थे, लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी धरातल पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अमरीष वशिष्ठ ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की लापरवाही के चलते ही गौशालाओं में गोवंशों की दयनीय स्थिति सामने आई है। उन्होंने मांग की कि इस पूरे प्रकरण में संलिप्त कर्मचारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तथा सभी गौशालाओं में गोवंशों के खानपान और उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही ज्ञापन में शहर की अन्य समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। बस स्टैंड पर स्थाई बैरिकेडिंग, नदरई गेट से बाकनेर तक डिवाइडर कट बंद करने, संदिग्ध वाहनों पर कार्रवाई, बालिका विद्यालयों के आसपास एंटी रोमियो स्क्वॉड की तैनाती, कैफे व पिज्जा प्वाइंट्स पर निगरानी बढ़ाने और सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। चामुंडा मंदिर पर विशेष दिनों में पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मंदिर के पास होने वाले आयोजनों से आस्था प्रभावित होने का भी मुद्दा उठाया गया। वहीं 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन से सहयोग की अपील की गई। अंत में बजरंग दल ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

## पिता 10 साल से लूट रहा था बेटी की अस्मत: मां ने भी दिया पति का साथ, लड़की ने वीडियो बनाकर की करतूत उजागर

नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक पिता पिछले 10 साल से अपनी ही बेटी की अस्मत लूट रहा था। वारदात के समय बेटी महज 11 साल थी। इस घिनौनी हरकत के बाद लड़की डिप्रेशन में आ गई और उसने आत्महत्या तक का प्रयास किया। 16 साल की उम्र में हिम्मत जुटाकर उसने सारी बात मां को बताई तो मां ने मुंह बंद कर चुप रहने के लिए कहा।

लड़की ने हिम्मत नहीं हारी और एक रात उसने पिता की इस गंदी हरकत की चुपचाप वीडियो बना ली। बाद में वह बुराड़ी थाने पहुंची और सारी बात पुलिस अधिकारियों को बताई। शिकायत करने के समय पीड़िता 21 साल की हो चुकी थी। उसका बयान लेकर पुलिस ने पॉक्सो, दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया। बाद में आरोपी पिता को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी पिता को जेल भेज दिया है। पुलिस लड़की के अलावा उसके बाकी परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी इस पूरी वारदात से हैरान है। पुलिस के सामने लड़की ने कई चौकाने वाले खुलासे किए हैं।

उत्तरी-जिला को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मूलरूप से बिहार की रहने वाली लड़की अपने माता-पिता के साथ बुराड़ी इलाके में रहती है। इसका पिता निजी काम करता था। वर्ष 2015-16 में लड़की का परिवार गांव में रहता था। पीड़िता पढ़ाई की वजह से अपने पिता के साथ अकेली रहती थी। उस समय उसकी उम्र महज 11 वर्ष थी। आरोप है कि एक दिन पिता ने मौका पाकर अपनी बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। किसी को कुछ भी बताने पर उसे मारने की धमकी दी। इसके बाद यह सिलसिला चलता रहा। पीड़िता भी परेशान हो गई। कई साल चले अत्याचार के बाद उसने डिप्रेशन में आकर आत्महत्या का प्रयास किया।

### पहली बार 16 की उम्र में तोड़ी चुप्पी

लड़की 16 साल की हुई तो उसने हिम्मत जुटाकर उसने मां को सारी बात बताई। मां ने बजाए बेटी का पक्ष लेने की जगह उल्टा चुप रहने के लिए धमकाया। इस बीच डिप्रेशन की वजह से लड़की की तबीयत बिगड़ी तो उसे इलाज के लिए बिलासपुर के एम्स अस्पताल ले जाया गया। वहां काउंसलिंग के दौरान उसने पिता की हरकत बताई।

### मां से बोली तो उसने भी करा दिया चुप

लड़की की मां को इसके बारे में बताया गया तो उसने पहले बेटी को चुप कराया, बाद में उसने डॉक्टरों को कहा कि तबीयत खराब होने की वजह से बेटी इसी तरह के आरोप लगाती है। बात को रफा-दफा करवा दिया गया। इस बीच लड़की दिल्ली आ गई। उसका दिल्ली विश्वविद्यालय में एक विदेशी भाषा में दाखिला हो गया।

### बेटी ने बनाया मोबाइल से वीडियो

लड़की ने पिता की करतूत को उजागर करने की ठनी। उसने मोबाइल से वीडियो बनाने के प्रयाय शुरू किए। एक दिन रात को पिता की करतूत को उसने मोबाइल के कैमरे में कैद कर लिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर दी। बाद में पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी पिता को दबोच लिया। अब पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

## कासगंज पुलिस ने दुराचार के आरोपी को किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** शहर कोतवाली क्षेत्र की एक युवती को शादी का झांसा देकर दुराचार करने के मामले में पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है। इंस्पेक्टर प्रवेश राना ने बताया कि गत दिवस एक युवती की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसमें युवती ने बताया था कि उसे प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया और दुष्कर्म किया। जब वह गर्भवती हो गई तो गर्भ गिरवा दिया और अब शादी से भी इंकार कर रहा है। पुलिस ने प्रकरण में रिपोर्ट दर्ज वांछित आरोपी जितेन्द्र पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी नगला ताल कासगंज को गिरफ्तार कर लिया है और उसके विरुद्ध अग्रिमत कार्रवाई की है।

## दुराचार के मामले में वांछित चल रहा आरोपी दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** थाना सिढ़पुरा में दर्ज दुराचार के मामले में पुलिस ने वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया है। थानाध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि थाना में गत दस अप्रेल को दुराचार के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू की। शनिवार को पुलिस ने नामजद वांछित आरोपी विपिन पुत्र चितर सिंह निवासी ग्राम नंदलाल थाना खंदौली जनपद आगरा को सीओ पटियाली संदीप वर्मा के नेतृत्व में सरावल पंचायत घर के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की है।

## उर्स हजरत दादा मियां इंतजामिया कमेटी ने सामूहिक विवाह समारोह का किया आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** सिढ़पुरा कस्बा में करतला रोड पर उर्स हजरत दादा मिंया इंतजामिया कमेटी ने सामूहिक विवाह समारोह कराया। इस दौरान कुल छह जोडे वैवाहिक बंधन में बंधे। दो जोड़े का हिन्दू रीतिरिवाज से विवाह हुआ, जबकि चार मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया गया। अलग-अलग बग्गी पर दूल्हा सवार और बैंड बाजों के साथ बारात चढ़ी। बसपा नेता जुनैद मियां ने बारात का स्वागत किया। नवविवाहित जोड़ों में यबुन निशा व वारिस, कहकंशा व मोहम्मद नाहिद, नरगिस व अकील अहमद, गुलफशा व आरिफ, निशा कुमारी व यश प्रताप सिंह, रूबी व सूरज कुमार शामिल रहे। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सपा अल्पसंख्यक सभा मोहम्मद शकील नदवी, प्रदेश उपाध्यक्ष सपा अल्पसंख्यक सभा खलील खान, विधायक नादिरा सुल्तान, राष्ट्रीय प्रवक्ता सपा अब्दुल हफीज गाँधी, पूर्व चेयरमैन मैन सहावर जाहिदा सुल्तान, पूर्व विधायक नेत्र पाल सिंह का कमेटी की ओर से स्वागत अभिनंदन किया गया। सभी नव जोड़ों को घरेलू सामान देकर विदा किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष निजाम अहमद उर्फ बब्बन, मोहम्मद इसराईल ,शानू सैफी, रहीस, नासिर सिद्दीकी, अफगन शेख, आरिफ अल्वी, तौहीद सिद्धिकी, कलाम हैदर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

## सिढ़पुरा में मेला महावीर का आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज।** सिढ़पुरा क्षेत्र के गांव अमृतपुर स्थित मेला महावीर का आयोजन हुआ। मेले का शुभारंभ अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने फीता काटकर व महावीर हनुमान की प्रतिमा पर फूलमाला चढ़ा कर किया। मेला संयोजक ने विधायक को हनुमान का चित्र भेंट किया। मेला संयोजक ने बताया कि लगभग सौ वर्ष पहले एक बाबा यहां आए थे। उन्होंने ही मेला लगवाया। तभी से हर वर्ष बैसाख माह में नवमी से अमावस्या तिथि तक मेले का आयोजन होता है। मेला में मिक्की माउस, जम्पिंग झूला, जलेबी, चाट पकोड़े, चाउमीन, पडाके आदि का लुत्फ लिया। महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री खरीदी। इस दौरान मेला आयोजक राजीव पाराशर, महेश प्रधान, पुष्पेन्द्र, सैराव, रामदुलारे पाराशर, कौशल मिश्रा, पवम उपाध्याय मौजूद रहे।

## अभियान के तहत भाजपा ने लोगों से किया संपर्क

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**कासगंज/न्यौली।** भारतीय जनता पार्टी नगरिया मण्डल की इकाई ने गांव बस्ती चलो अभियान के तहत मानपुर नगरिया में लोगों से संपर्क किया। जिला पंचायत अध्यक्ष रत्नेश कश्यप एवं मण्डल अध्यक्ष मनोज चैहान ने कार्यकताओं के साथ घर घर पहुंचकर सरकारी योजनाओं के पत्रक बांटे। लोगों को केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान मण्डल मंत्री ओम सिंह सागर, सूरजपाल, ओमपाल, धनपाल, रामसिंह, शिवकुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

## छोटी खबरें

### नगर पंचायत में मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण संपन्न




मोर्निंग सिटी संवाददाता

नगर पंचायत राजपुर के सभागार में मनोनीत सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी प्रदुमन कुमार ने मनोनीत सभासद मीना कटियार, सुन्दर सिंह और बलराम पाल को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। नगर पंचायत अध्यक्ष अंशु त्रिपाठी की अगुवाई में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सिकंदरा के विधायक व राज्यमंत्री अ३ ट्रल्लँ ढं’ मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति में शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। शपथ ग्रहण के बाद नव नियुक्त सभासदों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया तथा मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया गया, जिससे कार्यक्रम का माहौल उत्सव जैसा हो गया। मुख्य अतिथि अजीत सिंह पाल ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की मंशा है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक विकास कार्य कराए जाएं और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ङ्क अ३ि८ल्लं३ँ का लक्ष्य है कि सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंचें, जिसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर राजेश गौतम, लिपिक राजेश बाथम, सभासद अजय शुक्ला, चांद बाबू, निर्मल कटियार सहित अन्य वार्डों के सभासद और क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### पेड़ गिरने से भैंस व पड़िया दबे, ग्रामीणों ने बचाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**करहल (मैनपुरी)** तहसील करहल क्षेत्र की ग्राम पंचायत बूरामई के नगला बाग में आंधी-पानी के दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। गांव की निवासी कुसुमा देवी के घर के बाहर बंधे चार भैंस और एक पड़िया पर अचानक पेड़ गिर पड़ा, जिससे एक भैंस और एक पड़िया उसके नीचे दब गए। घटना के बाद परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद सभी जानवरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में जानवरों को हल्की चोटें आईं, जिनका पशु चिकित्सक को बुलाकर प्राथमिक उपचार कराया गया। कुसुमा देवी ने बताया कि जहां वे अपने पशु बांधती हैं, वहां बारिश के दिनों में भारी जलभराव हो जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण कच्ची सड़क पर बनी नालियां बंद पड़ी हैं, जिससे पानी तालाब तक नहीं पहुंच पाता और घरों के आसपास ही जमा रहता है। महिला का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार शिकायत और प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बारिश के समय हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जिससे पशुओं और परिवार के लिए खतरा बना रहता है। पीड़ित महिला ने प्रशासनिक अधिकारियों से समस्या का जल्द समाधान कराए जाने की मांग की है।

### मतदाता सूची पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**माती (कानपुर देहात)** जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) कानपुर देहात द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की संशोधित सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। यह कार्यक्रम त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को देखते हुए मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जाएगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ङस्न’ ट्रल्लँ द्वारा जारी सूचना के अनुसार जनपद में मतदाता सूचियों के व्यापक पुनरीक्षण का कार्य 17 मार्च 2026 से 21 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान मतदाता सूचियों का कंप्यूटरीकरण, अद्यतन, मतदान केंद्रों का क्रमांकन, मतदान स्थलों के वार्ड की मैपिंग, एसवीएन आवंटन तथा मतदाता सूची का अपलोड और फोटो संग्रहण का कार्य किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का ड्राफ्ट प्रकाशन 22 अप्रैल 2026 को किया जाएगा। इस संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर सकें। संबंधित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी कार्यक्रम प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा पुनरीक्षण अवधि के दौरान सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी संबंधित कार्यालय खुले रहेंगे और निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्य पूरा कराया जाएगा। किसी भी स्थिति में समय सीमा में वृद्धि नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम, पता और अन्य विवरणों का सत्यापन कर लें तथा आवश्यकता होने पर निर्धारित तिथियों के भीतर संशोधन या नए नाम के समावेशन के लिए आवेदन करें, ताकि एक शुद्ध और अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जा सके।

### प्रथम पुण्यतिथि पर कवि करन सिंह शैवाल की स्मृति में काव्य संगोष्ठी 12 अप्रैल को

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**जसवंतनगर (इटावा)** साहित्यिक संस्था युगान्तर के तत्वावधान में स्व. कवि कर्ण सिंह सैवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर 12 अप्रैल, रविवार को प्रभु मैरिज होम में सरस काव्य संगोष्ठी एवं विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन के संयोजक नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः 9:30 बजे अतिथियों के स्वागत के साथ होगी। इसके बाद सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक विचार गोष्ठी और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक स्वरूचिभोज के बाद दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक सरस काव्य संगोष्ठी आयोजित होगी, जिसमें कई प्रख्यात कवि अपनी काव्य प्रस्तुति देंगे। सह संयोजक सौरभ सोलंकी कार्यक्रम प्रभारी उमाकांत श्रीवास्तव, आनंद कुमार और संजीव कुमार वर्मा ने सभी साहित्य प्रेमियों, कवियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और श्रोताओं से समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

### धनुवां का 112वां ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**जसवंतनगर (इटावा)** श्री रामलीला महोत्सव सेवा समिति धनुवां द्वारा आयोजित 112वां ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव सफल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर समिति पदाधिकारियों ने पुलिस अधिकारियों और समाजसेवियों को सम्मानित कर आभार व्यक्त किया। समिति के अध्यक्ष सर्वेश चंद्र मिश्रा एवं पदाधिकारी शिवप्रसाद तिवारी ने पुलिस क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह के कार्यालय पहुंचकर उन्हें श्रीराम दरबार का चित्र भेंट कर सम्मानित किया। इसी क्रम में प्रेस क्लब जसवंतनगर के अध्यक्ष एवं समाजसेवी प्रेम कुमार शाक्य को भी उनके कार्यालय में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति पदाधिकारियों ने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में प्रशासन, पुलिस बल, मीडिया और क्षेत्रीय जनता का विशेष योगदान रहा। सभी के सहयोग और समन्वय से ही रामलीला महोत्सव बिना किसी बाधा के सकुशल संपन्न हो सका। उन्होंने बताया कि यह रामलीला महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है, जो पिछले 112 वर्षों से समाज में एकता, भाईचारे और नैतिक मूल्यों का संदेश देता आ रहा है। ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस कर्मियों, मीडिया प्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## संदिग्ध युवक के पास से अवैध तमंचा बरामद, गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**अकबरपुर (कानपुर देहात)** जनपद कानपुर देहात में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना अकबरपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 11 अप्रैल 2026 को संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक युवक मोटरसाइकिल से बाराजोड़ की ओर से बारा की तरफ आ रहा है और उसकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने बलिहारा मोड़ से करीब 100-200 मीटर पहले युवक को रोककर तलाशी ली। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पुत्र हरपाल सिंह निवासी हरसुन बांगर थाना सिकंदरा, जनपद कानपुर देहात (उम्र लगभग 21 वर्ष) बताया।

तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक अवैध देशी तमंचा .315 बोर बरामद हुआ। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर वह अवैध हथियार रखने के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाना अकबरपुर में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को चिकित्सीय परीक्षण कराने के बाद नियमानुसार न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सुरजीत सिंह, कांस्टेबल प्रदीप सिंह, कांस्टेबल चन्द्रशेखर और कांस्टेबल परभंजन शामिल रहे।

## अपराध नियंत्रण अभियान में कई अभियुक्त गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जनपद कानपुर देहात में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में विभिन्न थानों की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई अभियुक्तों को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना अकबरपुर पुलिस ने मुकदमा संख्या 124/26 धारा 137(2)/87/64(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की।

वहीं थाना मंगलपुर पुलिस ने मुकदमा संख्या 93/26 धारा 80(2)/85 बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त पुत्र रूपसिंह निवासी खम्हैला को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की। थाना रसूलाबाद पुलिस ने मुकदमा संख्या 491/20 धारा 323/504/506/188/269 भादवि से संबंधित वारंटी अभियुक्त अरँङ्क’ ङ४१ पुत्र सूबेदार निवासी देवगांव को गिरफ्तार किया। इसके अलावा थाना शिवली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामले में वारंटी अभियुक्त ङें’ ट्रल्लँ पुत्र नत्थू निवासी देवकली मीराघाट थाना कालपी जनपद जालौन को गिरफ्तार कर कार्रवाई की। इसके साथ ही जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने विभिन्न थानों में कुल 21 व्यक्तियों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत चालान किया। इनमें थाना अकबरपुर के 3, गजनेर के 3, मूसानगर के 1, भोगनीपुर के 4, राजपुर के 2, डेरापुर के 3, मंगलपुर के 2, रसूलाबाद के 2 और शिवली के 1 व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

## कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी ने सुनीं जनसमस्याएं

**अधिकारियों को दिए त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के निर्देश**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**माती (कानपुर देहात)** कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ङस्न’ ट्रल्लँ ने जनपद के विभिन्न तहसीलों तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान फरियादियों ने अपनी विभिन्न शिकायतें और समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मामलों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं को उनके प्रकरण की प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास बना रहे।

जिलाधिकारी ने शासन की प्राथमिकता योजनाओं और जनशिकायत निस्तारण प्रणाली के तहत संचालित की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त कोई भी शिकायत लंबित न रहे और सभी मामलों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तर के सभी अधिकारी, उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस बैठक से जुड़े रहे।

## प्राकृतिक आपदा से फसल नुकसान की सूचना 72 घंटे में देना अनिवार्य

**किसानों के लिए किसान पहचान पत्र बनवाने को 15 अप्रैल तक विशेष कैंप**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**माती (कानपुर देहात)** उप कृषि निदेशक ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। भारत सरकार की योजना के अंतर्गत अब प्रदेश के सभी किसानों के लिए किसान पहचान पत्र बनवाना अनिवार्य कर दिया गया है।

जनपद कानपुर देहात में जिन किसानों के पास अभी तक किसान पहचान पत्र नहीं है, उनके लिए 6 से 15 अप्रैल तक विशेष शिविर (कैंप) आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को उप कृषि निदेशक और जिला कृषि अधिकारी ने विकास खंड अकबरपुर के ग्राम गेंजूमऊ मजरा बनवारीपुरवा और ग्राम रहनियापुर में पहुंचकर किसान पहचान पत्र बनाए जाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि 15 अप्रैल तक आयोजित विशेष कैंपों या नजदीकी जनसेवा केंद्र पर जाकर किसान पहचान पत्र अवश्य बनवा लें, ताकि खाद, बीज और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में की अगली किस्तें केवल उन्हीं किसानों को मिलेंगी जिनके पास किसान पहचान पत्र होगा। इसके साथ ही कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता और सिंचाई विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी किसान पहचान पत्र के आधार पर ही दिया जाएगा। बताया गया कि मई 2026 से सब्सिडी वाले खाद, बीज और कीटनाशकों का वितरण भी केवल उन्हीं किसानों को किया जाएगा जिनका पंजीकरण फार्मर रजिस्ट्री में होगा। इसके लिए को एग्रीस्टैक से जोड़ा जा रहा है। भविष्य में गेहूं, धान, दालें और सरसों जैसी फसलों की सरकारी खरीद के लिए भी किसान पहचान पत्र अनिवार्य होगा और खरीद केंद्रों पर इसकी अनिवार्य रूप से जांच की जाएगी।

## एसपी ने पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेकर किया निरीक्षण

**रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण, अनुशासन व ड्रिल व्यवस्था की जांच**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**माती (कानपुर देहात)** शुक्रवार को जनपद कानपुर देहात की पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन पहुंचकर शुक्रवार परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता, अनुशासन, समयबद्धता, शिक्षण विधि, फिजिकल ट्रेनिंग और व्यवहारिक ज्ञान का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने परेड में एकरूपता और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से टोलीवार ड्रिल करवाई और प्रशिक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। तत्पश्चात उन्होंने पुलिस लाइन के आदेश कक्ष में पहुंचकर सभी गार्द रजिस्टरों की जांच की और गार्द की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

## साइबर हेल्प डेस्क की कार्रवाई से ठगी की रकम आंशिक रूप से वापस

**ऑनलाइन पार्सल के नाम पर महिला से हुई थी 1.40 लाख की साइबर ठगी**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**शिवली (कानपुर देहात)** जनपद कानपुर देहात में साइबर अपराधों की रोकथाम और खुलासे के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शिवली की साइबर हेल्प डेस्क ने कार्रवाई करते हुए ठगी की गई रकम में से 55,425 रुपये पीड़िता के खाते में वापस कराए हैं।

थाना शिवली क्षेत्र के ग्राम बाघपुर निवासी प्रीति पत्नी सोमनाथ ने बताया था कि अज्ञात साइबर ठग ने ऑनलाइन पार्सल भेजने की बात कहकर और पार्सल को पुलिस द्वारा पकड़े जाने की धमकी देकर उनसे जन सेवा केंद्र के माध्यम से 1,40,000 रुपये ट्रांसफर करवा लिए थे। इस संबंध में पीड़िता ने 3 अक्टूबर को साइबर हेल्प डेस्क शिवली पर शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के आधार पर थाना शिवली पुलिस की साइबर सेल हेल्प डेस्क ने जांच-पड़ताल करते हुए कार्रवाई की और ठगी गई धनराशि में से 55,425 रुपये शनिवार को पीड़िता के खाते में वापस कराए। शेष धनराशि की बरामदगी के लिए पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से संतुष्ट होकर पीड़िता ने थाना प्रभारी निरीक्षक सहित पूरी थाना पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने की स्थिति में उएक्फ़ ढङ्ग१३’ या ह्यसंचार साथीह्न एप के माध्यम से शिकायत दर्ज करें। वहीं ऑनलाइन फ्रॉड की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या पर शिकायत दर्ज कराएं।

## इलाज कराकर लौट रही किशोरी की सड़क हादसे में मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**सट्टी (कानपुर देहात)** सट्टी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। किशोरी अपनी मां लीलावती और पिता विजय शंकर के साथ शाहजहांपुर से इलाज कराकर साइकिल से दिवैर की मड़ैय्या स्थित अपने घर लौट रही थी। बताया गया कि रास्ते में एक ट्रैक्टर के पीछे लगे थ्रेसर ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी, जिससे किशोरी पहिए के नीचे आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सट्टी थाना अध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में निजी वाहन से घायल किशोरी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर भिजवाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर हरदीप ने उपचार के दौरान किशोरी को मृत घोषित कर दिया। दिवैर गांव निवासी सतीश बाबू, जो परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचे थे, ने आरोप लगाया कि पुलिस घायल किशोरी को काफी देर से अस्पताल लेकर पहुंची। उनका कहना है कि अस्पताल में उस समय कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था और काफी देर बाद डॉक्टर के आने पर किशोरी को मृत घोषित किया गया। परिजनों का आरोप है कि यदि समय पर डॉक्टर मिल जाते तो संभवतः किशोरी की जान बचाई जा सकती थी। थाना अध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि पुलिस ने ट्रैक्टर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि परिजनों से प्रार्थना पत्र मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## महिला संबंधी अपराध में वांछित आरोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**माती/सट्टी (कानपुर देहात)** जनपद कानपुर देहात में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना सट्टी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 7 अप्रैल 2026 को पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना सट्टी में मुकदमा अपराध संख्या 17/2026 धारा 69/115(2)/351(3) बीएनएस के तहत पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम दड़ी थाना सट्टी सहित तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना सट्टी पुलिस टीम ने शनिवार को मुखबिर की सूचना पर आरोपी कमलराज उर्फ कमलबाबू (उम्र करीब 26 वर्ष) को कथरी बंबा के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी कांस्टेबल अजय कुमार तथा कांस्टेबल सुनील कुमार शामिल रहे।

## प्रधानाध्यापक तेजपाल सिंह यादव का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**जसवंतनगर (इटावा)** न्याय पंचायत धनुवा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय ईश्वरपुरा में प्रधानाध्यापक तेजपाल सिंह यादव के सेवानिवृत्ति अवसर पर विद्यालय प्रांगण में भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों और अतिथियों ने उनके सरल, सौम्य स्वभाव तथा लंबे समय तक किए गए शिक्षण कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी , विधायक प्रतिनिधि उर्फ सोनू यादव, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री तथा उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सहित हरि मोहन राजपूत मौजूद रहे। इसके अलावा ब्लॉक एआरपी गिरिजेश, अरविंद शाक्य, प्रदीप पाल, रामवीर यादव, कमलेश यादव, जवाहरलाल शाक्य, अंकित कुशवाहा, सारदेव यादव, सुधीर शाक्य, रीतेश, इदरीश, श्यामबाबू और बलवीर समेत क्षेत्र के अनेक शिक्षकगण कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों और अतिथियों ने तेजपाल सिंह यादव के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## इंटरलॉकिंग कार्य अधूरा छोड़ने पर ग्रामीणों में रोष

**ग्राम प्रधान के खिलाफ जताई नाराजगी, ऑनलाइन शिकायत दर्ज**

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**राजपुर (कानपुर देहात)** विकास खंड राजपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बकसौंधी-खुमानपुर में इंटरलॉकिंग सड़क का कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों ने एकजुट होकर ग्राम प्रधान के खिलाफ विरोध जताते हुए संबंधित अधिकारियों से जल्द समाधान की मांग की है।

ग्रामीण कृष्ण कुमार, राजू कर्ण, लालाराम कर्ण, सरजू प्रसाद कर्ण, पन्ना लाल कर्ण, गुरेंद्र सिंह, गोविंद दीक्षित, अरविंद दीक्षित और अनुराग शुक्ला सहित अन्य लोगों ने बताया कि गांव में इंटरलॉकिंग का कार्य बीच में ही रोक दिया गया है, जिससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उनके घरों के सामने इंटरलॉकिंग का कार्य मनमाने ढंग से और द्वेष भावना के तहत अधूरा छोड़ दिया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में पुरानी ईंटों का इस्तेमाल कर गुणवत्ताहीन कार्य को नया दिखाने की कोशिश की जा रही है। वहीं ग्राम प्रधान अश्वनी दीक्षित ने इन आरोपों को लेकर कहा कि वहां पर इंटरलॉकिंग का मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। उनका कहना है कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कार्य मरम्मत का है या नया निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अधूरे कार्य के कारण दोपहिया वाहनों और बुजुर्गों को निकलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क अधूरी होने के कारण घरों का गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे मच्छरों के पनपने और बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

ग्रामीणों ने इस संबंध में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराते हुए संबंधित अधिकारियों से जल्द समस्या का समाधान कराए जाने की मांग की है।

## 'धड़क' के बाद डिप्रेशन में चली गई थीं जाह्नवी कपूर

फिल्म धड़क की रिलीज से ठीक पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की मां श्रीदेवी का निधन हो गया था, जिसने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया। इस गहरे सदमे और फिल्म के बाद मिली आलोचनाओं ने उन्हें डिप्रेशन की ओर धकेल दिया था। हाल ही में एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान जाह्नवी ने अपने दिल की बात खुलकर रखी। उन्होंने बताया कि साल 2018 में ईशान खट्टर के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद भारी था। एक तरफ मां को खोने का दुख था, तो दूसरी ओर बाहर से मिल रही नकारात्मक प्रतिक्रियाएं, जिसने उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर दिया। जाह्नवी ने कहा कि भले ही आज लोग 'धड़क' को सफल फिल्म मानते हैं, लेकिन उनके लिए उस दौर की यादें काफी कड़वी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म के बाद वह डिप्रेशन में चली गई थीं और उन्हें लगने लगा था कि लोग उनसे नफरत करते हैं। उनके मन में यह डर बैठ गया था कि उनका करियर शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाएगा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्हें हमेशा अपनी मां से हौसला और सराहना मिलती थी। मां के जाने के बाद उन्होंने वही उम्मीद दर्शकों से लगा ली, जो पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि वह चाहती थीं कि लोग उन्हें तुरंत स्वीकार कर लें, लेकिन ऐसा संभव नहीं था। उनका ध्यान सिर्फ नकारात्मक बातों पर केंद्रित हो गया था, जिसके कारण वह फिल्म की सफलता को भी महसूस नहीं कर पाईं। जाह्नवी ने आगे कहा कि उस समय 'धड़क' बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी, लेकिन उन्हें इसका अहसास तक नहीं हुआ। उन्हें लगातार यही लगता रहा कि वह एक खराब कलाकार हैं और लोग उन्हें पसंद नहीं करते। यही नकारात्मक सोच धीरे-धीरे उनकी हकीकत बन गई थी। गौरतलब है कि शशांक खेतान के निर्देशन में बनी 'धड़क' मराठी फिल्म सैराट की आधिकारिक रीमेक थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था।

## फिल्म नहीं, एक फोटो ने मचा दिया तहलका

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने पालतू डॉग सुख के साथ कुछ बेहद खास तस्वीरें साझा कर फैंस के बीच तहलका मचा दिया है। आमतौर पर दमदार एक्शन हीरो के रूप में दिखने वाले सलमान का यह सादगी और प्यार भरा अंदाज़ वायरल हो गया है। सलमान ने इन तस्वीरों को 3-55 मॉय सुख कैप्शन के साथ पोस्ट किया, जिसमें वे अपने डॉग के साथ सुकून भरे पल बिताते नजर आ रहे हैं। उनका यह प्राकृतिक और दिखावे से रहित रूप उनकी ऑन-स्क्रीन छवि से बिल्कुल अलग है, जिसे फैंस ने प्योर हैप्पीनेस बताया। इन तस्वीरों में कोई ग्लैमर या शूट नहीं है, बस सलमान की निजी जिंदगी की एक प्यारी झलक है, जिसने लाखों दिलों को छू लिया। सोशल मीडिया पर जहां ग्लैमरस तस्वीरें छाई रहती हैं, वहीं सलमान की ये सादगी भरी तस्वीरें अलग पहचान बना रही हैं। फैंस ने इन पर जमकर प्यार बरसाया है, यह साबित करते हुए कि सच्चे रिश्ते और छोटी खुशियां किसी भी फिल्म प्रमोशन से ज्यादा दिल छू लेने वाली होती हैं।

## असली हीरो कैमरे के पीछे काम करने वाले लोग: सारा

बॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर- द रिवेंज की सफलता के बाद एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने कहा कि किसी भी फिल्म की असली ताकत सिर्फ पर्दे पर नजर आने वाले कलाकार नहीं होते है, बल्कि वे लोग होते हैं जो कैमरे के पीछे रहकर पसीना बहाते हैं। एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में उन सभी क्रू मेंबर्स के प्रति आभार जताया, जिनकी मेहनत से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन पाई। सारा अर्जुन ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक आदित्य धर से मिलीं, तभी उनकी आंखों में सिनेमा के लिए कुछ बड़ा करने का जुनून नजर आ गया था। फिल्म की शूटिंग के दौरान यह विश्वास और मजबूत होता गया। लेकिन जब फिल्म पूरी हुई और उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस सपने को साकार करने में पर्दे के पीछे काम करने वाली एक पूरी टीम की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अपने पोस्ट को 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के उन गुमनाम नायकों को समर्पित किया, जिनका योगदान अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। एक्ट्रेस ने सबसे पहले आदित्य धर और उनकी डायरेक्शन टीम का धन्यवाद किया और उन्हें इस प्रोजेक्ट का कप्तान बताया। साथ ही प्रोड्यूसर्स लोकेश धर, ज्योति मैम, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज की पूरी टीम की सराहना की, जिन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए फिल्म को पूरा किया। सारा ने फिल्म की तकनीकी टीम की भी खुलकर तारीफ की। उन्होंने डायरेक्टर ऑफ फोटोग्राफी और कैमरा टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने हर फ्रेम में फिल्म की भव्यता और आत्मा को जीवंत किया। कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा और उनकी टीम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने किरदारों के लिए बिल्कुल सही चेहरों का चयन किया। कॉस्ट्यूम डिजाइनर स्मृति चौहान और मेकअप डिजाइनर प्रीति शील के काम की तारीफ करते हुए सारा ने कहा कि उन्होंने कपड़ों और लुक के जरिए कहानी को और गहराई दी। सारा ने लिखा कि भले ही एक्टर्स को पोस्टर पर जगह मिलती है, लेकिन असल में सिनेमा की रीढ़ यही टीम होती है। इसके अलावा सारा ने म्यूजिक टीम, एडिटर शिवकुमार पणिक्कर, वीएफएक्स टीम और ओजस गौतम के योगदान को भी सराहा।

## लीजा रे को आफरीन-आफरीन गाने से मिली थी पहचान

कनाडा की खूबसूरत एक्ट्रेस और मॉडल लीजा रहे ने मॉडलिंग से करियर की शुरुआत की, बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। घातक कैंसर जैसी बीमारी को हराया और सरोगेसी के जरिए दो प्यारी जुड़वा बेटियों की मां बनीं। लीजा रे की कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि हौसले, संघर्ष और जिंदगी से कभी हार न मानने की मिसाल भी है। लीजा रे का जन्म 4 अप्रैल 1972 को कनाडा के टोरंटो में हुआ था। मात्र 16 साल की उम्र में उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया। साल 1996 में नुसरत फतेह अली खान के मशहूर गाने आफरीन-आफरीन में उन्होंने पहली बार स्क्रीन पर धमाल मचाया। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म नेताजी से अभिनय की शुरुआत की। साल 2001 उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ जब उन्होंने आफताब शिवदासानी के साथ हिंदी फिल्म कसूर से बॉलीवुड एंट्री की। इस थ्रिलर फिल्म में उनकी एक्टिंग और खूबसूरती दोनों को खूब सराहा गया। गानों में भी वे काफी प्रभावशाली नजर आईं। इसके बाद साल 2004 में दीपा मेहता की फिल्म वॉटर आई, जो ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। इस फिल्म ने लीजा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और उनकी एक्टिंग स्किल्स को नई ऊंचाई दी। लीजा रे की जिंदगी आसान नहीं रही। साल 2009 में उन्हें मल्टीपल मायलोमा नामक ब्लड कैंसर का पता चला। यह बीमारी बहुत खतरनाक होती है और ज्यादातर लोग इससे हार मान लेते हैं। लेकिन लीजा ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने इलाज कराया और साल 2010 में स्टेम सेल ट्रांसप्लांट कराकर इस बीमारी पर जीत हासिल की। कैंसर से उबरने के बाद भी वे दवाइयों पर निर्भर रहीं, लेकिन अपनी जिंदगी को नई दिशा देने में लगी रहीं। कैंसर पर काबू पाने के बाद लीजा ने बॉलीवुड में वापसी की। साल 2015-2016 में रिलीज हुई फिल्म इश्क फॉरएवर से उन्होंने फिर से दर्शकों का ध्यान खींचा।

इसके अलावा उन्होंने वीरप्पन जैसी फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपनी मेहनत और सकारात्मक सोच की वजह से वह आज भी इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। निजी जिंदगी में भी लीजा ने कई चुनौतियों का सामना किया। कैंसर के इलाज की वजह से उनकी प्राकृतिक मातृत्व की संभावना प्रभावित हो गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2012 में उन्होंने जेसन देहनी से शादी की। इसके बाद दंपति ने सरोगेसी का रास्ता चुना। साल 2018 में जॉर्जिया के टिबिलिसी में सरोगेसी के जरिए उनकी दो जुड़वा बेटियां हुईं, जिनका नाम उन्होंने सूफी और सोलेल रखा। लीजा ने खुद इंस्टाग्राम पर इस खुशी को शेयर किया था। उन्होंने लिखा था कि मां बनने की खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।

## टच बडी में नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला : जोनिता गांधी

डकैत अ लव स्टोरी के गाने के बारे में प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने खुलकर बात की है। पवन सिंह के साथ गाए गए नए गाने 'टच बडी' को लेकर जोनिता का मानना है कि इस गाने के जरिए कलाकार के तौर पर एक नए पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला। उन्होंने बताया कि यह गाना उनके लिए एक नया और रोमांचक अनुभव था, जिसने उन्हें खास तौर पर आकर्षित किया।

जोनिता गांधी इस समय अपनी कलात्मक यात्रा के एक नए दौर में हैं। वे अब सिर्फ आवाज देने तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि स्क्रीन पर भी पूरी तरह छा जाना चाहती हैं। 'टच बडी' में उन्होंने न सिर्फ गाया है, बल्कि पूरे आत्मविश्वास के साथ डांस परफॉर्मेंस भी किया है। जोनिता ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। मुझे डांस करना बहुत पसंद है, इसलिए इस गाने की ओर मैं खिंची चली गई। मैंने इसे एक किरदार निभाने के रूप में अपनाया। यह मेरी अपनी असलियत का विस्तार नहीं था, बल्कि एक कलाकार के रूप में मुझे एक नया पहलू एक्सप्लोर करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैं खुद के और भी कई पहलुओं को एक्सप्लोर कर रही हूं। अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैंने तो अभी बस शुरुआत की है।

अपना प्यार और साथ बनाए रखिएगा।' गाने में जोनिता एक स्टाइलिश, चंचल और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज में नजर आ रही हैं। उनका 'ग्रूव', एटीट्यूड और सहजता इस ट्रैक का मुख्य आकर्षण है। गाने का तेलुगु वर्जन भी रिलीज हो चुका है, जिसमें उनके साथ राम मिरियाला नजर आ रहे हैं। दोनों भाषाओं के कलाकारों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिल रहा है। 'टच बडी' गाना फिल्म 'डकैत- अ लव स्टोरी' का गाना है। फिल्म में आदिवि शेष, अनुराग कश्यप और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन शेनिल देव ने किया है। यह एक बाइलिंगुअल प्रोजेक्ट है, जिसे हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में शूट किया गया है। कहानी दो पुराने प्रेमियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो दोबारा मिलकर कई चोरियां करते हैं।

## बच्चों की मासूमियत ने दिल को छू लिया अमिताभ के, हुए भावुक

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन अपने घर 'जलसा' के बाहर हर रविवार फैंस से मुलाकात करने की परंपरा निभाते आ रहे हैं। ऐसी ही एक मुलाकात अमिताभ बच्चन के लिए बेहद भावुक पल लेकर आई, जिसका जिक्र उन्होंने अपने ब्लॉग पोस्ट में किया है। उन्होंने इस दौरान कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें छोटे-छोटे बच्चे नजर आ रहे हैं, जिनकी मासूमियत ने अभिनेता का दिल छू लिया। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि जब वह अपने फैंस से मिले तो उनकी आंखें नम हो गईं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि समझ नहीं आता कि उन्होंने ऐसा क्या किया है कि इतने वर्षों बाद भी लोगों का इतना स्नेह और सम्मान उन्हें लगातार मिलता रहता है। उन्होंने खास तौर पर बच्चों की मासूमियत का जिक्र करते हुए लिखा कि इन नन्हे चेहरों को शायद यह भी नहीं पता कि वे यहां क्यों आए हैं, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान दिल को गहराई से छू जाती है। उन्होंने आगे चिंता जताई कि जैसे-जैसे ये बच्चे बड़े होंगे, जीवन की सच्चाइयों से उनका सामना होगा, जो आसान नहीं होगा। अभिनेता ने लिखा कि यह सोचकर दुख होता है कि आने वाले समय में दुनिया कैसी होगी और हम अगली पीढ़ी के लिए कैसा समाज छोड़कर जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर पाएंगे या नहीं। इसी भावुक पोस्ट के अंत में अमिताभ बच्चन ने अपने एक करीबी रिश्तेदार के निधन की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर ने उनके मन को और अधिक व्यथित कर दिया है और अब केवल शोक ही व्यक्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि इससे एक दिन पहले उन्होंने अपने ब्लॉग में एक 'आलसी' दिन का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा था कि बिना किसी खास वजह के दिनभर काम न करने से उन्हें असहज महसूस होता है। नियमित दिनचर्या में बदलाव से उनकी आदतें भी प्रभावित होती हैं।

## भूत बंगला डर के साथ डबल डोज कॉमेडी

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है। चार्ट-बस्टर गानों और टीज़र के बाद आया यह ट्रेलर, डर और कॉमेडी का एक शानदार डबल डोज पेश करता है, जो दर्शकों को भरपूर मनोरंजन का वादा कर रहा है। ट्रेलर एक ठोस और दिलचस्प कहानी दिखाता है जहाँ अक्षय कुमार अपनी उसी पुरानी फॉर्म में वापस आ गए हैं जिसमें वो सबसे माहिर हैं। अक्षय, परेश रावल और राजपाल यादव की गोल्डन तिकड़ी के साथ असरानी के कॉमेडी के तड़के ने सबका दिल जीत लिया है। ट्रेलर साबित करता है कि ऐसी कॉमेडी केवल हॉरर-कॉमेडी जॉनर के दिग्गज ही पेश कर सकते हैं, और दर्शक इस अंदाज़ में अक्षय कुमार को काफी मिस कर रहे थे। भूत बंगला 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, क्योंकि यह 14 साल बाद बॉलीवुड की आइकॉनिक एक्टर-डायरेक्टर जोड़ी, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन को वापस ला रही है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशु सेनगुप्ता और मिथिला पालकर जैसे कलाकार नजर आएंगे।

## पुलिस का किरदार निभाना मेरे लिए स्वाभाविक : कविता कौशिक

ज्वालाबाद शहर की पृष्ठभूमि पर आधारित वेब सीरीज 'कप्तान' में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी को प्रमुखता से दिखाया गया है। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का किरदार निभाया है, जो एक सख्त और आत्मविश्वासी महिला पुलिस अधिकारी है। अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें इस भूमिका में ढलने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि उनका पारिवारिक माहौल ही पुलिस से जुड़ा रहा है, क्योंकि उनके पिता पुलिस अधिकारी थे। बचपन से उसी वातावरण में पली-बढ़ी होने के कारण यह किरदार उनके लिए बेहद सहज और स्वाभाविक बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे उनका लोकप्रिय किरदार चंद्रमुखी चौटाला हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस अधिकारी की झलक उनके अभिनय में अपने आप दिखाई देती है।

अभिनेत्री ने सीरीज की पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट से जुड़ना इसलिए आसान लगा क्योंकि इसके पीछे एक मजबूत टीम थी। उन्होंने निर्देशक, निर्माताओं और प्लेटफॉर्म की तारीफ करते हुए कहा कि जब सभी चीजें सही लगती हैं, तो किसी प्रोजेक्ट को हां कहना मुश्किल नहीं होता। साथ ही उन्होंने अपने सह-कलाकारों की मेहनत और अनुशासन की भी खुलकर प्रशंसा की। शूटिंग के अनुभव पर बात करते हुए कविता ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत तौर पर किसी सीन को करने में ज्यादा कठिनाई नहीं हुई, लेकिन अन्य कलाकारों ने बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी शानदार एक्शन सीन दिए। उनका समर्पण और फिटनेस देखकर वह काफी प्रभावित हुई और उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी भूमिका अन्य कलाकारों की तुलना में थोड़ी सहज थी। महिला पुलिस अधिकारियों को कम महत्व दिए जाने के सवाल पर अभिनेत्री ने बेबाकी से कहा कि उन्होंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। उनका मानना है कि उन्हें जो भी अवसर मिलता है, वह उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करती हैं और स्क्रीन टाइम के बजाय अपने काम के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इस सीरीज में साकिब सलीम के साथ सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।